माघ शुक्ल - 11 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 177 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 21-01-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 क्या कोई गांधी परिवार से 'ज्यादा भ्रष्ट' हो सकता है : हिमंत विश्व शर्मा

6 समाज को उच्च आदर्शों के लिए प्रेरित करते हैं श्रीराम

7 'अंगूरी' भाभी के एआई अवतार पर खुलकर बोलीं अभिनेत्री शुभांगी आत्रे

फर्स्ट टेक

ईरान ने उपग्रह का प्रक्षेपण किया

यरूशलम/एपी। ईरान ने शनिवार को कहा कि उसने सफलतापूर्वक एक उपग्रह का प्रक्षेपण करके इसे अब तक कि सबसे ऊंची कक्षा में स्थापित किया है। यह उस कार्यक्रम का हिस्सा है जिसे लेकर पश्चिम देशों ने तेहरान की ओर से उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल बनाए जाने की आशंका जतायी है। ईरान की यह घोषणा ऐसे समय में आई है, जब गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल के हमले जारी हैं तथा हाल में ईरान और पाकिस्तान द्वारा एक-दूसरे के देशों में हवाई हमले किए गए हैं। इन घटनाक्रम से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी 'आईआरएनए' ने कहा कि सोराया उपग्रह को तीन चरणों वाले रॉकेट के साथ पृथ्वी की सतह से लगभग 750 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में स्थापित किया गया।

गाजा में युद्ध में 16,000 महिलाएं और बच्चे मारे गए

संयुक्त राष्ट्र/एपी। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने बताया कि इजराइल और गाजा के बीच जारी युद्ध में 16,000 महिलाएं और बच्चे मारे गए हैं। महिलाओं के लिए कार्य करने वाली एजेंसी 'संयुक्त राष्ट्र महिला' (यूएन वीमेन) ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि अनुमान है कि प्रत्येक घंटे में दो माताएं दम तोड़ रही हैं। 'यूएन वीमेन' ने कहा कि 100 से अधिक दिन के संघर्ष के कारण कम से कम 3000 महिलाओं ने अपने पतियों को खो दिया है और कम से कम 10,000 बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

चीन में एक स्कूल में आग लगने से 13 बच्चों की मौत

बीजिंग/भाषा। चीन के मध्य हेनान प्रांत में एक स्कूल के शयनगृह में आग लगने से कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई है। चीन के सरकारी अखबार 'द पीपुल्स डेली' ने शनिवार को बताया कि हेनान के यानशानपु गांव में यिंगकाई स्कूल में शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे आग लगने की सूचना मिली। हेबेई प्रांत में एक सरकारी मीडिया संस्थान 'जोंगलान न्यूज' को एक शिक्षिका ने बताया कि मारे गए सभी बच्चे तीसरी कक्षा के छात्र थे।

21-01-2024 सूर्यास्त 6:15 बजे	22-01-2024 सूर्योदय 6:46 बजे
BSE 71,423.65 (+236.79)	NSE 21,571.80 (+109.55)
सोना 6,481 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 72,830 रु. प्रति किलो

राममय हो रही है अयोध्या नगरी

राम मंदिर को पुष्पों, विशेष रोशनी से सजाया गया

- अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले भगवान राम की नई मूर्ति बृहस्पतिवार की दोपहर राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रखी गई।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई अन्य गणमान्य अतिथि कल मंदिर में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए केवल एक दिन शेष रहने के मद्देनजर अयोध्या स्थित राम मंदिर को इस भव्य आयोजन के लिए पुष्पों और विशेष रोशनी से सजाया गया है। अयोध्यावासियों का कहना है, ''अयोध्या नगरी राममय हो रही है।''

मंदिर न्यास के सूत्रों ने बताया कि सजावट के लिए फूलों के ''समृद्ध भंडार'' का उपयोग किया गया है और 22 जनवरी को होने वाले समारोह के मद्देनजर मंदिर को सजाने के लिए फूलों के विशेष डिजाइन तैयार किए गए हैं।

एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ये सभी असली फूल हैं और सर्दी के मौसम के कारण ये अपेक्षाकृत लंबे समय तक ताजा रहते हैं इसलिए वे प्राण प्रतिष्ठा समारोह तक ताजा रहेंगे। इन फूलों की सुगंध और सुंदरता ने मंदिर की दिव्यता को और बढ़ा दिया है।'' उन्होंने कहा कि फूलों से सजावट और रोशनी के लिए अलग-अलग टीम बनाई गई हैं और वे न्यास अधिकारियों के मार्गदर्शन में मिलकर काम कर रही हैं।

सूत्र ने कहा कि बाहर के हिस्से में रोशनी की सजावट दीया की 'थीम' पर आधारित है ताकि इसे पारंपरिक रूप दिया जा सके और मंदिर के अलंकृत तत्वों को उजागर किया जा सके। उन्होंने कहा, ''गर्भ गृह के अंदर पारंपरिक दीये का इस्तेमाल किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि मंदिर के भीतर हल्की रोशनी वास्तुशिल्प तत्वों को उजागर करेगी जबकि बाहरी रोशनी शाम के बाद ही चालू की जाएगी।

अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले भगवान राम की नई मूर्ति बृहस्पतिवार की दोपहर राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रखी गई। मैसूर स्थित मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई 51 इंच की रामलला की मूर्ति को ट्रक से यहां लाया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई अन्य गणमान्य अतिथि 22 जनवरी को मंदिर में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होंगे।

आगरा में 43 चौराहों पर दिखाई जा रही रामायण

आगरा (उप्र)/भाषा। अयोध्या के भव्य राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर आगरा में भी माहौल राममय हो गई है और शहर के 43 चौराहों पर लगी एलईडी स्क्रीन पर रामायण दिखाई जा रही है। आगरा नगर निगम की ओर से शहर के सभी चौराहों एवं मुख्य मार्ग महात्मा गांधी मार्ग पर नियमित रूप से शाम छह से रात्रि आठ तक एलईडी स्क्रीन पर रामानंद सागर की रामायण का प्रसारण किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी के अधिकारी नितिन त्यागी ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण इन स्क्रीन पर दिखाया जाएगा।

मंदिर न्यास के महासचिव चंपत राय ने संवाददाताओं से कहा था कि मंदिर में प्रवेश पूर्व दिशा से और निकास दक्षिण दिशा से होगा तथा संपूर्ण मंदिर अधिरचना अंततः तीन मंजिला होगी। मुख्य मंदिर तक पहुंचने के लिए पर्यटक पूर्वी दिशा से 32 सीढ़ियां चढ़ेंगे।

पारंपरिक नागर शैली में निर्मित मंदिर परिसर 380 फीट लंबा (पूर्व-पश्चिम दिशा), 250 फीट चौड़ा और 161 फीट ऊंचा होगा।

रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए देशभर से 14 दंपतियां 'यजमान' बनेंगे

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की 22 जनवरी को होने जा रही प्राण प्रतिष्ठा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आये 14 दंपति 'यजमान' (मेजबान) के दायित्व का निर्वहन करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने बताया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा दी गई सूचना के मुताबिक अनुष्ठान 16 जनवरी को प्रारंभ हुआ और शनिवार को इसका पांचवा दिन था। उन्होंने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हिंदू धर्म के अंतर्गत एक मंदिर की पूजा में व्यापक अनुष्ठान होते हैं। कई 'अधिवास' होते हैं। मुख्य प्राण प्रतिष्ठा पूजा में 14 दंपति हिस्सा लेंगे। ये सभी भारत के उत्तर, पूर्व, पश्चिम, दक्षिण और पूर्वोत्तर से हैं। ये मुख्य यजमान होंगे।''

शारदा पीठ का जल पीओके से अयोध्या भेजा

श्रीनगर/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में इस्तेमाल करने के लिए एक मुस्लिम व्यक्ति ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित शारदा पीठ कुंड से पवित्र जल एकत्र किया और इसे कूरियर के माध्यम से ब्रिटेन के रास्ते भारत भेजा है।

'सेव शारदा कमेटी कश्मीर' (एसएससीके) के संस्थापक रविंदर पंडित ने कहा कि 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमले के पश्चात बालाकोट पर किए गए हवाई हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच डाक सेवाओं के निलंबन के कारण पवित्र जल को अन्य देश के माध्यम से भेजना पड़ा। उन्होंने कहा, ''पीओके में शारदा पीठ के शारदा कुंड का पवित्र जल तनवीर अहमद और उनकी टीम द्वारा एकत्र किया गया।

आशीर्वाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तिरुचिरापल्ली जिले के श्रीरंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर के गजराज ने प्रधानमंत्री मोदी को आशीर्वाद दिया।

इंदौर में आग लगने से बस जलकर खाक, सभी यात्री सुरक्षित

इंदौर/भाषा। मध्य प्रदेश के इंदौर में शनिवार दोपहर एक बस में आग लग गयी, जिसके बाद इसमें सवार सभी 30 यात्रियों सुरक्षित उतार लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की बस देवास जा रही थी, तभी चालक ने जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर मांगलिया में इंजन से आग की लपटें निकलती देखीं। कुछ सूत्रों ने बताया कि संभवत: आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

तीन साल में नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा भारत : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेजपुर/गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि देश अगले तीन साल में नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

शाह ने सलोनीबारी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के 60वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में शामिल एसएसबी ''संस्कृति, इतिहास, भौगोलिक स्थिति और भाषा को बारीकी से एकीकृत करने'' तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को देश के बाकी हिस्सों के करीब लाने में एक अद्वितीय भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सीमाओं की रक्षा के अलावा, एसएसबी के साथ ही अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने छत्तीसगढ़ और झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ प्रभावी रूप से अपना कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अगले तीन साल में देश नक्सल समस्या से 100 प्रतिशत मुक्त हो जाएगा।''

भारत-म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही बंद की जाएगी, कंटीले तार लगाये जाएंगे

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि सरकार म्यांमार सीमा पर लोगों की मुक्त आवाजाही को बंद करेगी, और इसकी पूरी तरह से बाड़बंदी करेगी ताकि बांग्लादेश से लगी सीमा की तरह इसकी सुरक्षा की जा सके। असम पुलिस की पांच नव गठित कमांडो बटालिन के प्रथम बैच की 'पासिंग आउट परेड' को यहां संबोधित करते हुए उन्होंने यह घोषणा की। शाह ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी सरकार ने फैसला किया है कि अब तक खुली हुई भारत-म्यांमार सीमा की बाड़बंदी कर उसे सुरक्षित किया जाएगा। पूरी सीमा की कांटेदार तार से बाड़बंदी की जाएगी जैसा कि हमने भारत-बांग्लादेश सीमा पर किया है।''

लगातार मजबूत हो रहे हैं भारत-बांग्लादेश संबंध : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कम्पाला/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री मोहम्मद हसन महमूद से यहां मुलाकात की और दिनोंदिन 'मजबूत हो रहे' द्विपक्षीय संबंधों की सराहना की।

जयशंकर ने यहां युगांडा की राजधानी कम्पाला में शुक्रवार को शुरू हुए दो-दिवसीय गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन से इतर अपने बांग्लादेशी समकक्ष से मुलाकात की। जयशंकर ने बांग्लादेश का विदेश मंत्री नियुक्त किये जाने पर डॉ. महमूद को बधाई भी दी। इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद दोनों नेता पहली बार मिल रहे थे।

जयशंकर ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''आज कम्पाला में बांग्लादेश के नये विदेश मंत्री डॉ. मोहम्मद हसन महमूद से मिलकर बहुत खुशी हुई। उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी और उनकी सफलता की कामना की। ...भारत-बांग्लादेश संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। जल्द ही दिल्ली में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हर्ष-ध्वनि

चहुं दिशि निनाद गूंजता,
जिनके सुनाम से।
जयघोष पवन कर रहा,
'जय-जय श्री राम' से।
आवाज आ रही है,
नगर वीथि ग्राम से।
मंदिर बना है राम का,
अब धूमधाम से।।

सहज स्मृति योग

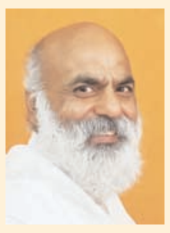

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, जब-जब मैं कोई बात मानने, जानने, पहचानने और लगने में अंतर नहीं कर पाती हूँ तब-तब मेरा व्यवहार, बाहर से सबको भले ही आदर्श दिख रहा हो पर, अपने मन के अंदर तो मुझे वह बिगड़ा हुआ दिख ही जाता है। कृपया मार्ग दिखाएं ताकि मेरी मन, वचन, कर्म की एकता बनी रहे और आध्यात्मिक गति अवरुद्ध न होने पाए।

उत्तर: सबसे पहले कोई बात लगती ही है, तब ही उसे पहचानने की जिज्ञासा होती है। पहचानने के बाद जानने की इच्छा होती है और, जानने के बाद ही कोई बात मानी जाती है। यही क्रम है। इसका विधिवत पालन करना ही अन्तर्दृष्टि में स्पष्टता लाता है और व्यक्ति का विवेक बनता है। किंतु जान लेने पर भी हम न मानें तो ईश्वर विमुखता हो जाती है और जो बिना जाने मान ले तो जीवन विमुखता हो जाती है। विवेकवान व्यक्ति की दृष्टि में न तो जीवन, ईश्वर विमुख है और ना ही ईश्वर जीवन विमुख। इसलिए विधिक्रम का पालन आवश्यक है, इसी से मन वचन कर्म की एकता संभव होती है।

राम मंदिर 'अखंड भारत' की ओर एक कदम है : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि अयोध्या में नए राम मंदिर का निर्माण 'अखंड भारत' या अविभाजित भारत की दिशा में एक कदम है।

उन्होंने यहां एक सामूहिक हनुमान चालीसा जाप कार्यक्रम में कहा कि अगर ईश्वर ने चाहा तो अखंड भारत का विस्तार अफगानिस्तान तक होगा। बैरागढ़ इलाके में यह कार्यक्रम 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले आयोजित किया गया। यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, यह भगवान की इच्छा है, भगवान राम के मंदिर का निर्माण निश्चित रूप से 'अखंड भारत' की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह देश के नागरिकों के लिए सौभाग्य की बात है, मंदिर 1990-1992 से 30-32 वर्षों के संघर्ष के बाद बन रहा है।

उन्होंने कहा कि कई पीढ़ियों ने लगभग 500 वर्षों तक मंदिर के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा, सम्राट विक्रमादित्य द्वारा इस स्थान पर बनाया गया भगवान राम का पहला मंदिर दुश्मनों की आंखों में कांटा था, और जब भारत बुरे समय से गुजर रहा था, तो अत्याचारियों ने इसे नष्ट कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, इसी तरह, भारत ने सिंध खो दिया, पंजाब विभाजित हो गया और 1947 में विभाजन के बाद पाकिस्तान का गठन हुआ।

यादव ने आगे कहा, ईश्वर ने चाहा तो आज नहीं तो कल फिर से अखंड भारत बनेगा; न केवल सिंध या पंजाब बल्कि अफगानिस्तान तक। यह हम सभी की इच्छा है कि हम ननकाना साहिब के दर्शन कर सकें। ननकाना साहिब, सिखों के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक है। मध्य प्रदेश सरकार ने 22 जनवरी को सरकारी कार्यालयों में आधे दिन और राज्य के सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गणतंत्र दिवस शिविर में एनसीसी कैडेट के साथ बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट के एक समूह से कहा कि 'मशीन लर्निंग' और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में रोजगार के लिए रचनात्मकता, अंतर्वैयक्तिक कौशल और बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण होगी।

सिंह ने युवाओं को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाकर उनका समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की सराहना भी की। सिंह दिल्ली छावनी में गणतंत्र दिवस शिविर के दौरे के दौरान एनसीसी कैडेट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, रचनात्मकता, अंतर्वैयक्तिक कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संवेदनशीलता ऐसे गुण हैं, जो किसी व्यक्ति को मशीन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वर्तमान युग में प्रासंगिक और रोजगार योग्य बनाएंगे। सिंह ने आज के प्रौद्योगिकी-संचालित युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग में वृद्धि पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करते हुए कहा कि समय और आगे की प्रगति के साथ, लोग उन क्षेत्रों में करियर बनाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करना शुरू करेंगे, जहां मशीन वांछित कार्यों को निष्पादित नहीं कर सकती। हालांकि, उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि भले ही मशीन शारीरिक और बौद्धिक कार्य कर सकती हैं, लेकिन रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वे रचनात्मक नहीं हो सकतीं, चेतना उत्पन्न नहीं कर सकतीं और मनुष्यों की तरह अंतर्वैयक्तिक कौशल विकसित नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि एनसीसी यहीं पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि एनसीसी, अपनी विभिन्न पहल और कार्यक्रमों के माध्यम से, कैडेट को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाकर, उनके सामाजिक कौशल विकसित करके और देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना उत्पन्न करके उनका समग्र विकास सुनिश्चित कर रही है। राजनाथ सिंह ने एनसीसी कैडेट को उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए 'रक्षा मंत्री पदक' और प्रशस्ति पत्र भी दिए।

सरकार ने मीडिया को राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से संबंधित झूठी सामग्री के प्रति किया आगाह

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शनिवार को मीडिया घरानों और सोशल मीडिया मंचों को परामर्श जारी करके अयोध्या में 22 जनवरी को राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से संबंधित कोई भी गलत या हेरफेर की गई सामग्री के प्रकाशन के प्रति आगाह किया।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी किए गए परामर्श में कहा गया है कि यह देखा गया है कि कुछ असत्यापित, भड़काऊ और फर्जी संदेश फैलाए जा रहे हैं, विशेष तौर पर सोशल मीडिया पर, जो सांप्रदायिक सद्भाव और लोक व्यवस्था को बिगाड़ सकते हैं।

अयोध्या में रामलला के विग्रह का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित होंगे।

परामर्श में समाचार पत्रों, निजी सैटेलाइट टेलीविजन चैनल और डिजिटल मीडिया पर समाचार और समसामयिक मामलों के प्रकाशकों से ऐसी किसी भी सामग्री को प्रकाशित और प्रसारित करने से परहेज करने को कहा गया है जो झूठी या हेरफेर की गई हो सकती है या जिससे देश में सांप्रदायिक सद्भाव या लोक व्यवस्था बिगड़ने की आशंका हो।

परामर्श में कहा गया है, इसके अलावा, सोशल मीडिया मंचों को उनके संबंधित दायित्वों के तहत, सलाह दी जाती है कि वे ऊपर उल्लिखित प्रकृति की सामग्री की जानकारी प्रदर्शित या प्रकाशित नहीं करने के लिए उचित प्रयास करें।

'राजनीतिक विरोधियों को डराने, चुप कराने के लिए ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोलापुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधियों को डराने और चुप कराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल एक उपकरण के रूप में किया जा रहा है। वह ईडी द्वारा रोहित पवार को समन जारी करने से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे।

ईडी ने महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) घोटाले में धन शोधन जांच के तहत 24 जनवरी को पूछताछ के लिए शरद पवार के पोते और महाराष्ट्र के विधायक रोहित पवार को तलब किया है। ईडी ने पांच जनवरी को बारामती, पुणे, औरंगाबाद और कुछ अन्य स्थानों पर रोहित पवार के स्वामित्व वाली कंपनी बारामती एग्रो और कुछ संबंधित इकाइयों के परिसर पर छापा मारा था। रोहित पवार (38) महाराष्ट्र विधानसभा में कर्जत-जामखेड सीट से राकांपा विधायक हैं तथा बारामती एग्रो के मालिक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं। पहली बार विधायक निर्वाचित हुए रोहित राकांपा के शरद पवार गुट से हैं। केंद्र पर निशाना साधते हुए शरद पवार ने दावा किया, सत्ता का दुरुपयोग करके ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को चुप कराने और उन्हें डराने के लिए किया जा रहा है। हमें ऐसी प्रवृत्तियों को हराने के लिए जनता के पास जाना होगा। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) और वामपंथी दलों को महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में लाने के लिए बातचीत चल रही है।

CREDAI

बजट में गृह ऋण पर मूलधन, ब्याज पर कर छूट सीमा बढ़ाए सरकार: क्रेडाई

नई दिल्ली/भाषा। रियल एस्टेट नियामक क्रेडाई ने आवासीय संपत्तियों की मांग को बढ़ावा देने के लिए बजट से पहले सरकार से आवास ऋण पर मूल राशि के साथ-साथ ब्याज भुगतान पर कर छूट सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव करने की भी मांग की है। क्रेडाई ने आवास ऋण के मूलधन के पुनर्भुगतान के लिए धारा 80 सी के तहत कटौती की मौजूदा सीमा 1.5 लाख रुपए से बढ़ाने की मांग की है।

वैकल्पिक रूप से, यह सुझाव दिया गया कि आवास ऋण के मूल पुनर्भुगतान के लिए कटौती को एक अलग या एकल छूट के लिए माना जाना चाहिए। इसके अलावा, क्रेडाई ने कहा कि किफायती आवास की परिभाषा 2017 में दी गई थी और तब से अभी तक नहीं बदली है। इसके अनुसार, किफायती आवास अधिकतम 45 लाख रुपए का होता है।

क्रेडाई का कहना है, केवल मुद्रास्फीति के कारण पिछले सात साल में रियल एस्टेट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में जून 2018 से आवास दरों में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे डेवलपर्स के लिए 45 लाख रुपए की मौजूदा सीमा का पालन करना बेहद असंभव हो गया है।

दिल्ली विवि के 12 कॉलेजों के खिलाफ जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने शनिवार को सचिव (उच्च शिक्षा) को दिल्ली विश्वविद्यालय के सरकार द्वारा वित्त पोषित 12 कॉलेजों में कथित अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया।

आतिशी ने कहा कि बड़े स्तर पर ''प्रक्रियागत अनियमितताएं'' हुई हैं और कॉलेजों ने दिल्ली सरकार की मंजूरी के बिना 1,897 कर्मचारियों (939 शिक्षक और 958 गैर शैक्षणिक कर्मी) को नियुक्त किया है। उन्होंने कहा, बड़े स्तर पर प्रक्रियागत अनियमितताएं सामने आई हैं। कॉलेजों ने दिल्ली सरकार की मंजूरी के बिना 1,897 कर्मचारियों (939 शिक्षक और 958 गैर शैक्षणिक कर्मियों) को नियुक्त किया, जो स्पष्ट रूप से स्थापित सरकारी प्रक्रियाओं और नियमों का उल्लंघन है।

मंत्री ने सचिव को अवैध पद सृजित करने के लिए जिम्मेदार प्राचार्यों और अधिकारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिसमें अवैध रूप से नियुक्त कर्मचारियों को 2015 से दिए गए वेतन की वसूली भी शामिल है। मंत्री ने कहा, इन कॉलेजों को सरकारी खजाने से वित्त पोषित किया जाता है और इसलिए, धन के किसी भी दुरुपयोग के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। आतिशी ने कहा कि अनियमितताओं में सरकारी खजाने से सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, सुरक्षा और स्वच्छता कार्यों के लिए करोड़ों रुपए के ठेके सामान्य वित्तीय और लेखा मानदंडों का पालन किए बिना निष्पादित किए गए।

हरियाणा: भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए अशोक तंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। तंवर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

तंवर ने 2019 में कांग्रेस छोड़ दी थी और 2022 में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे। इस बीच लोकसभा के पूर्व सदस्य ने अपनी एक पार्टी भी बनाई और कुछ समय के लिए वह तृणमूल कांग्रेस में भी शामिल हुए थे। तंवर ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ संभावित गठबंधन का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा को उम्मीद है कि तंवर के शामिल होने से राज्य में उसके मतदाताओं को एकजुट करने के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा। हरियाणा एक जाट बहुल राज्य है। इस साल के अंत में राज्य में विधानसभा चुनाव भी होंगे। हरियाणा में भाजपा 2014 से सत्ता में है।

मराठा आरक्षण को लेकर जरांगे का मुंबई तक विरोध मार्च शुरू, आखिरी सांस' तक लड़ने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना/भाषा। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को हजारों लोगों के साथ महाराष्ट्र के जालना जिले से मुंबई तक विरोध मार्च शुरू किया। उन्होंने मराठा समुदाय की आरक्षण की मांग को लेकर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए विरोध मार्च निकाला है।

जरांगे ने मार्च शुरू करने से पहले संवाददाताओं से बातचीत में सरकार की उसके ''क्रूर और असंवेदनशील'' रवैये और मराठा आरक्षण मुद्दे को हल करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। उन्होंने इस दौरान अंतिम सांस तक लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। जरांगे के पैतृक गांव अंतरवाली सराटी से पूर्वाह्न करीब 11 बजे विरोध मार्च शुरू हुआ। उन्होंने संवाददाताओं से कहा,मराठा समुदाय ने आरक्षण देने के लिए सरकार को सात महीने का समय दिया था, लेकिन इस दौरान कोई कार्रवाई नहीं की गई। जरांगे ने भावुक होकर कहा, मैं अपनी आखिरी सांस तक विरोध जारी रखूंगा। जब तक आरक्षण की मांग पूरी नहीं हो जाती, मैं पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने मराठा समुदाय के युवाओं द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए राज्य सरकार और मंत्रियों की आलोचना की। उन्होंने सवाल उठाया,''मराठा युवा आरक्षण के मुद्दे पर अपनी जिंदगी खत्म कर रहे हैं, लेकिन सरकार को कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। सरकार इतनी असंवेदनशील और क्रूर कैसे हो सकती है और सिर्फ मराठा युवाओं को आत्महत्या करते हुए देख सकती है?

उन्होंने एक घटना के बारे में भी बताया, जिसमें छत्रपति संभाजीनगर जिले के पैठन के रहने वाले मराठा समुदाय के एक व्यक्ति ने उन्हें बताया कि उनके इकलौते बेटे ने आरक्षण के लिए अपनी जान दे दी।

'एक देश, एक चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार को नुकसान पहुंचाएगा'

aap
AAM AADMI PARTY

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव कराने से संसदीय लोकतंत्र के विचार और संविधान के बुनियादी ढांचे को नुकसान होगा। आप ने कहा कि यह व्यवस्था त्रिशंकु विधायिका से निपटने में सक्षम नहीं होगी। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल आप की टिप्पणी कांग्रेस द्वारा 'एक देश, एक चुनाव' के विचार का कड़ा विरोध करने के एक दिन बाद आई है। कांग्रेस ने कहा है कि यह संघवाद की गारंटी और सविधान के बुनियादी ढांचे के खिलाफ है। आप ने बयान में कहा, संसदीय लोकतंत्र के विचार, संविधान की मूल संरचना और देश की संघीय राजनीति को 'एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था से नुकसान पहुंचेगा। यह त्रिशंकु विधायिका से निपटने में असमर्थ है, यह दल-बदल की बुराई और विधायकों एवं सांसदों की खुली खरीद-फरोख्त को बढ़ावा देगी।

बीएसएफ के जवानों ने पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हथियार, गोला-बारूद बरामद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत से एके-47 राइफल, दो मैगजीन और 40 कारतूस बरामद किए हैं। बीएसएफ के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

दरअसल बीएसएफ ने 18 और 19 जनवरी की दरमियानी रात एक ड्रोन देखा और इसके बाद उसने शुक्रवार को तलाश अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान उसे क्षेत्र से हथियार और गोला बारूद मिले।

प्रवक्ता ने बताया कि अभियान में एक सफेद रंग की बोरी में रखा एक बड़ा पैकेट बरामद हुआ जिसमें हथियार और गोला-बारूद के अलावा 40,000 रुपए नकद थे। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने सीमा पार से आतंक फैलाने के नापाक इरादों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का 'डीपफेक' वीडियो बनाने वाला व्यक्ति गिरफ्तार : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को कहा कि उसने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के 'डीपफेक' वीडियो के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी को दक्षिण भारत से गिरफ्तार किया गया और उसे दिल्ली लाया गया है। आरोपी पर संदेह है कि उसने ही वीडियो बनाया था। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) इकाई में 10 नवंबर को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 465 (जालसाजी के लिए सजा), 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जालसाजी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं 66सी और 66ई के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने के तुरंत बाद आईएफएसओ इकाई ने यूआरएल और अन्य विवरण प्राप्त करने के लिए 'मेटा' को पत्र लिखा, ताकि वीडियो बनाने वाले और सोशल मीडिया पर उसे डालने वाले आरोपी की पहचान की जा सके।

'मेटा' सोशल मीडिया मंच फेसबुक, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स की मूल कंपनी है।

केरल के समुद्र में मछुआरे लुप्तप्राय शार्क मछलियों के रक्षक बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के समुद्र तट पर दो दिन पहले स्थानीय मछुआरों ने अपने जाल में फंसी एक विशालकाय व्हेल शार्क को छोड़ दिया। यह शार्क 13 घंटे से अधिक समय तक तट के पास पड़ी रही थी।

तिरुवनंतपुरम जिले के पुथेनथोप तट की घटना के बारे में जानकारी देते हुए एक स्थानीय मछुआरे अजित षणमुगम ने कहा, हर किसी ने मान लिया था कि व्हेल शार्क मर चुकी है और वन विभाग के अधिकारी पोस्टमार्टम के लिए तैयार थे। हालांकि, मैंने उसकी पूंछ में हलचल देखी और स्थानीय मछुआरों ने शार्क को समुद्र में वापस लाने में हमारी सहायता की। षणमुगम ने अपने साथी मछुआरे रमेश के साथ मिलकर शार्क को सफलतापूर्वक गहरे पानी में वापस पहुंचाने के लिए अपनी नाव का उपयोग किया और उसकी सुरक्षित वापसी तथा समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए समुद्र में काफी देर तक समय व्यतीत किया। षणमुगम 'सेव द व्हेल शार्क' अभियान के तहत भारत में शार्क के संरक्षण के लिए काम करने वाले एक गैर-सरकारी संगठन, वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया' (डब्ल्यूटीआई) के 'फील्ड ऑफिसर' के रूप में कार्य करते हैं। षणमुगम ने खुलासा किया कि उन्होंने केरल तट पर मछली की सबसे बड़ी प्रजाति 17 व्हेल शार्क को सफलतापूर्वक बचाया है और उसे समुद्र में छोड़ा है।

वह शार्क के सफल बचाव का श्रेय केरल वन विभाग और मत्स्य पालन विभाग के सहयोग से डब्ल्यूटीआई के नेतृत्व में 'सेव द व्हेल शार्क' अभियान के माध्यम से उत्पन्न जागरूकता को देते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) / KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

केएसडीएल सामग्री की गुणवत्ता और ग्राहक की पसंद के अनुसार निर्माण में लगा हुआ है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केएसडीएल ने उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने और ग्राहकों की पसंद के अनुरूप विनिर्माण में संलग्न होकर लाभप्रद रूप से प्रगति की है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, उन्होंने कर्नाटक सोप डिटरजेंट लि. के 21 नए विविध उत्पाद लॉन्च किए।

हमें इस प्रतिस्पर्धी युग में निजी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए गुणवत्ता बनाए रखनी होगी। केएसडीएल इसमें सफल रहा है। मुख्यमंत्री ने सराहना की कि मंत्री एमबी पाटिल ने केएसडीएल की गरिमा बढ़ाई है और लाभदायक प्रगति देखी है।

मुख्यमंत्री ने केएसडीएल को एक सरकारी संस्था और एक सरकारी फैक्ट्री में प्रगति के मॉडल के रूप में इस तरह से विकसित होते देखने के लिए सभी को बधाई दी कि आज भी केएसडीएल के उत्पादों की जगह कोई नहीं ले सकता है। इसी मौके पर मुख्यमंत्री ने केएसडीएल के उत्पादों की नकल करने वालों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, केएसडीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रशांत, केएसडीएल सलाहकार रजनीकांत, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू उपस्थित थे।

22 को सरकारी अवकाश घोषित करने पर अबतक कोई निर्णय नहीं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को राज्य में सरकारी अवकाश घोषित करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। बाईस जनवरी को सरकारी छुट्टी घोषित करने की भाजपा की मांग पर सिद्दरामैया ने कहा कि उन्होंने अबतक कोई ऐसा अनुरोध पत्र नहीं देखा है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''अबतक तो नहीं। हम देखेंगे। मैंने ऐसा कोई पत्र अबतक नहीं देखा है। हम देखेंगे।'' पत्रकारों ने उन्हें (सिद्दरामैया को)बताया कि कर्नाटक विधानपरिषद में विपक्ष के नेता कोटा श्रीनिवास पुजारी ने उन्हें इस संबंध में एक पत्र भेजा है। मुख्यमंत्री को यह भी बताया गया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने भी ऐसी ही मांग रखी है।

सिद्दरामैया ने कहा, ''अबतक तो नहीं। हम देखेंगे। मैंने अबतक पत्र नहीं देखा है। देखते हैं।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अयोध्या जायेंगे, तो उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहले ही कह दिया है कि मैं किसी और दिन वहां जाऊंगा, तो आप यह प्रश्न क्यों दोहरा रहे हैं?''मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि वह अयोध्या जायेंगे, लेकिन 22 जनवरी को नहीं। उन्होंने भाजपा पर चुनावी फायदे के लिए राममंदिर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया था। इस बीच, बेंगलूरु में शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में विजयेंद्र ने कहा कि कर्नाटक से भगवान राम के संबंध के मद्देनजर राज्य सरकार को 22 जनवरी को अवकाश घोषित करने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि किष्किंधा क्षेत्र विजयनगर जिले के हंपी में है। रामायण के मुताबिक, किष्किंधा क्षेत्र में वानरों का राज्य था।पड़ोसी कोप्पल जिले में अंजनाद्रि पहाड़ी भगवान राम के परम भक्त हनुमान का जन्मस्थान था। शिकारीपुरा के विधायक विजयेंद्र ने कहा, ''प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा न केवल भारत, बल्कि पुरी दुनिया के लिए ऐतिहासिक अवसर है, क्योंकि कई देश इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं।'' विजयेंद्र ने राज्य सरकार से इस दौरान अशांति पैदा करने या अप्रिय घटना को अंजाम देने की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए अलर्ट रहने का आह्वान किया।

भगवान राम की मूर्ति की स्थापना के माध्यम से 'राम राज्य' की नींव रखी गई : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की स्थापना के माध्यम से 'राम राज्य' की नींव रखी गई है। बसवराज बोम्मई ने यहां जयश्री अरविंद द्वारा भगवान राम पर प्रकाशित एक सीडी जारी करने के बाद कहा, 'राम राज्य' का अर्थ है 'सभी के लिए अवसर और समृद्धि, और कहीं भी गरीबी का कोई निशान नहीं'। सभी के लिए न्याय।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाई गई प्रतिबद्धता के साथ, राम लला की 'प्राण प्रतिष्ठा' 22 जनवरी को आयोजित की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हम सभी विशेषाधिकार प्राप्त और भाग्यशाली हैं। 'राम राज्य' की स्थापना के कारण सभी लोग खुशी से रहें। उन्होंने कहा, ''हर चीज का एक समय आना चाहिए और भगवान राम को 500 साल से अधिक समय तक अयोध्या में उनके जन्मस्थान से बाहर रखा गया था। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को तय की गई है। यह एक महान क्षण है। ऐसा लग रहा है कि सब कुछ पहले ही तय हो जाएगा क्योंकि गुरुवार को भगवान राम ने राम मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया। आज, भगवान राम पर गाने रिलीज़ हुए जो काफी संयोग था।

उन्होंने कहा, भगवान राम का अवतार बहुत खास है क्योंकि उनमें भगवान विष्णु का 'अवतार' था। लेकिन भगवान राम का अवतार सबसे अच्छा है क्योंकि यह बहुत महान था। जब भी उन्होंने गलतियां कीं, राम सही रास्ता दिखाते थे। राम के सिद्धांत के बिना कोई जीवन नहीं है। बचपन से लेकर वन जाने तक उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वे विचारधारा के बारे में बात करते हैं लेकिन अन्य लोग इसका पालन करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि वाल्मीकि रामायण सर्वश्रेष्ठ रामायण है क्योंकि इसमें पिता और पुत्र के बीच के रिश्ते को दिखाया गया है। भाइयों के बीच के रिश्ते को। लक्ष्मण ने भाई राम के साथ जंगल में 14 साल बिताए। एक अन्य भाई, भरत ने राम की 'पादुका' को अपने पास रखा। सिंहासन और राज्य पर शासन किया। इस तरह की संस्कृति केवल यहीं मौजूद थी। अब कोई भी सत्ता किसी पर नहीं छोड़ता। इसमें भगवान राम और हनुमान के रूप में 'गुरु' और 'शिष्य' के बीच के रिश्ते को भी दिखाया गया है।

उन्होंने कहा कि चूंकि मस्जिद राम मंदिर पर मौजूद थी, इसलिए पूजा नहीं की गई।भगवान राम सही समय पर आये हैं। यह खुशी का क्षण है कि पीएम मोदी 22 जनवरी को 'प्राण प्रतिष्ठापना' करेंगे। भाजपा विधायक रवि सुब्रमण्यम एल.ए. और उत्तरादी मठ के संयोजक आचार्य कट्टी और गायक जयश्री अरविंद मौजूद थे।

प्रदर्शित

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए शनिवार को बेंगलूरु के एसबीएम सर्कल अंजनेय स्वामी मंदिर में राम की मूर्ति प्रदर्शित की गई।

नाबालिग चचेरी बहन को गर्भवती करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कर्नाटक पुलिस ने एक युवक को अपनी नाबालिग चचेरी बहन को गर्भवती करने के आरोप में पॉक्सो अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। कक्षा 10 में पढ़ने वाली नाबालिग ने पिछले महीने एक बच्चे को जन्म दिया था। घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए, स्थानीय शिक्षा विभाग ने लापरवाही के लिए कलबुर्गी जिले के एक सरकारी आवासीय विद्यालय के प्रिंसिपल और वार्डन को निलंबित कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता आवासीय विद्यालय की छात्रा थी और उसने 28 दिसंबर 2023 को बच्चे को जन्म दिया था। पीड़िता को उसके नवजात बच्चे के साथ वर्तमान में कलबुर्गी के अमूल्य शिशु गृह में रखा गया है। पुलिस ने कहा कि लड़की ने स्कूल अधिकारियों से पेट दर्द की शिकायत की थी। जिसके बाद उसे उसके माता-पिता के पास घर भेज दिया गया। जब दर्द बढ़ गया, तो माता-पिता लड़की को पड़ोसी महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के एक अस्पताल में ले गए।

स्कैन के बाद डॉक्टरों को पता चला कि वह गर्भवती है। बाद में पता चला कि लड़की का चचेरा भाई उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था। प्रिंसिपल और वार्डन को उनकी लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है क्योंकि वे सतर्कता बरतने में विफल रहे। फिलहाल निंबार्गा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र पुस्तक का विमोचन करते हुए।

कारसेवकों की सेवा के दुर्लभ चित्रों को देखते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र।

22 जनवरी को सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग

विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने सरकार से कोई भी अप्रिय घटना न हो इसका किया आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी को होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मांग की कि राज्य सरकार को उस दिन अशांति, व्यवधान, चिंता और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। शनिवार को मल्लेश्वरम् में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने 22 तारीख को सरकारी अवकाश घोषित करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि पीवीआर सिनेमाघरों में अयोध्या मंदिर प्रतिष्ठा समारोह का लाइव टेलीकास्ट होगा। उन्होंने सुबह रामकीर्तन और भजन आदि करने तथा लोगों से उत्तर दिशा की ओर 5 दीपक जलाने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बीके हरिप्रसाद कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने एक बयान भी दिया। इसलिए सवाल के जवाब में उन्होंने मांग की कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए राज्य सरकार को एहतियात बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीके हरिप्रसाद के निशाने पर कांग्रेस थी या केंद्र सरकार, यह आने वाले दिनों में पता चल जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक में ही भगवान राम ने लंका की चढ़ाई के लिए वानर सेना इकट्ठी की थी। उन्होंने कहा कि रामायण एक उत्कृष्ट कृति है और नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को पुनर्जीवित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे राम भक्तों और हिंदुओं में खुशी है।

विजयेन्द्र ने कहा कि जहां चारों और राममय वातावरण है वहीं कर्नाटक सरकार श्रीकांत पुजारी को गिरफ्तार करती है। यह सही नहीं है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नायकों ने मंदिर से आए आमंत्रण को स्वीकार न करते हुए उसका तिरस्कार किया है। यह हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। कांग्रेसी हर जगह राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण और राम भक्तों के प्रति अपमानजनक व्यवहार की काफी आलोचना की गई है।

विजयेन्द्र ने बताया की कारसेवा के समय अधिकांश कारसेवक कर्नाटक राज्य से गए थे। जिसमें प्रमुख येडीयुरप्पा, रामचन्द्र गौड़ा समेत कई वरिष्ठों ने हिस्सा लिया। आज अनेक कन्नडिगा राम मंदिर की देखभाल कर रहे हैं। मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज पर सभी कन्नड़वासियों को गर्व है।

उनके साथ कर्नाटक के 6 मूर्तिकारों ने हिस्सा लिया। कर्नाटक के श्री पेजावरा मठ पर भी हमें गर्व है जो कि आज मंदिर ट्रस्ट में ट्रस्टी हैं। मंदिर के लिए आज कर्नाटक के चंदन के पेड़, चंदन के तेल का उपयोग किया जा रहा है। राम मंदिर के निर्माण में कर्नाटक के प्रसिद्ध सदरहल्ली से 800 टन पत्थर का उपयोग किया गया था। 19 जनवरी से 48 दिनों तक अयोध्या में रामनगर के विजयकुमार एवं 10 कलाकारों द्वारा मंगलवाद्य सेवा प्रस्तुत की जा रही है जो कि हम सभी कन्नड़ वासियों के लिए गर्व का विषय है।

35 हजार रामभक्त जाएंगे अयोध्या

विजयेन्द्र ने बताया कि कर्नाटक के राम भक्त 22 जनवरी के बाद अयोध्या जाएंगे। 31 जनवरी से 25 मार्च तक करीब 25 ट्रेनों से प्रदेश से 35 हजार राम भक्त अयोध्या पहुंचेंगे। इसका ट्रेन का खर्च वह स्वयं वहन करेंगे। भाजपा के पूर्व प्रदेश महासचिव और विधान परिषद के पूर्व सदस्य सिद्धाराजू को इस अभियान का समन्वयक नियुक्त किया गया है, जबकि पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमानी को सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। प्रत्येक रामभक्त को क्यूआर कोड वाला एक आईडी कार्ड जारी किया जाएगा। कर्नाटक के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से ट्रेनों की व्यवस्था की जाती है। अयोध्या में कन्नड़ भाषा का हेल्पलाइन सेंटर है और कर्नाटक के राम भक्तों के लिए कन्नड़ भाषा में घोषणाएं करने की व्यवस्था की गई है। अयोध्या में रहने की व्यवस्था जर्मन टेंट हाउस में बाथरूम और शौचालय की सुविधा के साथ की गई है। अयोध्या में 48 भोजनशाला का आयोजन किया गया है जिसमें से 2 भोजनशाला कर्नाटक के राम भक्तों के लिए हैं। उन्होंने बताया कि एक ट्रेन में 1500 लोग यात्रा करेंगे।

'परिवर्तन पथ राम मंदिर रथ' का विमोचन

इसी अवसर पर उन्होंने विजयेंद्र ने पुस्तक 'परिवर्तन पथ राममंदिर रथ' का विमोचन किया। इसमें अयोध्या की प्रमुख घटनाओं को शामिल किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव प्रीतम गौड़ा, राम मंदिर दर्शन अभियान के सह-संयोजक और भाजपा के पूर्व प्रदेश सचिव जगदीश हिरेमानी उपस्थित थे।

पत्रकारों को दिए पीले चावल

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र ने आज कर्नाटक वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिशन के अध्यक्ष शिवानंद तगादुरु और अन्य पत्रकारों और मीडिया प्रतिनिधियों, फोटो ग्राफरों, कैमरामैनों को अयोध्या मंदिर की फोटो, मंत्र और पीले चावल भेंट किए ।

बेंगलूरु हवाई अड्डे से फर्जी वीजा मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्लीय। दिल्ली पुलिस के फर्जी पासपोर्ट-वीजा गिरोह का भंडाफोड़ करने के मामले में कर्नाटक के बेंगलूरु में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया सादिकुल्ला बेग को बृहस्पतिवार को दुबई से लौटने पर बेंगलूरु हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि पंजाब के लुधियाना में फर्जी वीजा के एक मामले में बेग का नाम सामने आया था जिसके बाद उसके खिलाफ 'लुकआउट' नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने बताया कि लुधियाना के हरविंदर सिंह धनोआ के नाम से एक यात्री कुछ महीने पहले एक एजेंट मुस्कान उर्फ मनप्रीत कौर द्वारा प्रदान किए गए फर्जी कनाडाई वीजा पर यात्रा करते हुए पाई गई थी। अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने इसके बाद मनप्रीत को गिरफ्तार कर लिया, जिसने खुलासा किया कि उसने बेंगलूरु स्थित एक अन्य एजेंट सादिकुल्ला बेग को इसके लिए पांच लाख रुपये का भुगतान किया था।

उन्होंने बताया कि कई छापे मारे गए लेकिन फिर भी बेग का पता नहीं चला। इसके बाद 'लुकआउट' नोटिस जारी किया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी के अनुसार, बेग ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि फर्जी वीजा स्टिकर उसे दुबई स्थित एक एजेंट ने उपलब्ध कराए थे। उन्होंने बताया कि आरोपी और उसके सहयोगियों ने आसानी से पैसा कमाने के लिए लोगों को धोखा दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की इसी तरह के अन्य मामलों में संभावित संलिप्तता का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

मानव तस्करी के मामले में चार लोगों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कनाडा ले जाने के बहाने 39 श्रीलंकाई नागरिकों की भारत में मानव तस्करी से संबंधित 2021 के एक मामले में शुक्रवार को चार आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया। एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। बयान में कहा गया है कि एनआईए ने हाल में इस संबंध में मोहम्मद इमरान खान उर्फ इमरान को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक विशेष अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया गया है। इसमें कहा गया है कि आरोपी 39 श्रीलंकाई लोगों को कनाडा ले जाने का झूठा वादा करके तमिलनाडु के रास्ते मंगलूरु ले जाने में उनकी तस्करी में शामिल थे।

तमिलनाडु ने स्वर्ण पदक के साथ खोला खाता

चेन्नई। छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के शुरुआती दिन शनिवार को मेजबान तमिलनाडु ने दो स्वर्ण पदक के साथ अपना खाता खोला, जबकि पश्चिम बंगाल और दिल्ली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीता। राजारथिनम स्टेडियम में देवेश के. और सर्वेश के. की जोड़ी ने योगासन रिदमिक पेयर लड़कों के वर्ग में पहला स्वर्ण पदक जीता, जबकि पश्चिम बंगाल की मेघा मैती और उर्मी समता ने लड़कियों के वर्ग में खिताब जीता। एनबलेस गोविन एन. ने टीएनपीईएसयू टेबल टेनिस हॉल में मणिपुर के जेनिथ एसएच पर 15-11 से जीत के साथ लड़कों का स्वर्ण पदक जीता ।

मोदी ने तमिलनाडु में विभिन्न मंदिरों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु में ऐतिहासिक महत्व के विभिन्न मंदिरों का दौरा किया। इससे पहले राज्य की तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार शाम को चेन्नई पहुंचे मोदी ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स का उद्घाटन किया। उन्होंने राजभवन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के.अन्नामलाई और अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात की। यहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया।

मोदी शनिवार को सुबह चेन्नई हवाईअड्डे से त्रिची के लिए हवाई मार्ग से रवाना हुए। त्रिची हवाई अड्डे से वह हेलिकॉप्टर से कोल्लीडम कावेरी नदी के जल तल के पास अस्थायी हेलीपैड पर पहुंचे और फिर सड़क मार्ग से मंदिर पहुंचे। मोदी का काफिला धीमी गति से आगे बढ़ा और सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने उनका स्वागत किया। पूरे एक किलोमीटर के रास्ते में प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोक कला का भी आयोजन किया गया। श्री मोदी ने कार का दरवाजा खोलने के बाद उसके पास खड़े होकर हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन भी किया।

प्रधानमंत्री के पहले पड़ाव त्रिची के श्रीरंगम स्थित प्रसिद्ध श्री रंगनाथस्वामी मंदिर पहुंचने पर वहां के पुजारियों ने मोदी का पारंपरिक रूप से स्वागत किया। रंगनाथस्वामी मंदिर में श्री मोदी ने विद्वानों को कंबा रामायणम के छंदों का पाठ करते हुए सुना। नागस्वरम का पाठ देखने के बाद उन्होंने इष्टदेव और उनकी पत्नी देवी रंगनायकी की पूजा की। उन्होंने मंदिर में विभिन्न सन्नाधियों का भी दौरा किया, जो भगवान विष्णु के 108 दिव्यदेसम मंदिरों में से नंबर एक है। दिव्य देशम या वैष्णव दिव्य देशम 108 विष्णु और लक्ष्मी मंदिरों में से एक है जिसका उल्लेख श्री वैष्णव परंपरा के कवि-संत अलवरों के कार्यों में किया गया है। श्रीरंगम मंदिर तमिलनाडु का एक प्राचीन वैष्णव मंदिर है और यह संगम युग का है। विभिन्न राजवंशों ने इस मंदिर का निर्माण और विस्तार किया। इस मंदिर के निर्माण में चोल, पांड्या, होयसाल और विजयनगर साम्राज्य के राजाओं ने योगदान दिया है। श्रीरंगम मंदिर कावेरी और कोल्लीदम नदियों के संगम पर एक द्वीप पर स्थित है।

प्रधानमंत्री दोपहर करीब दो बजे रामेश्वरम पहुंचेंगे और श्री अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे।

लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ के रूप में अहम भूमिका निभा रही है न्यायपालिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ के रूप में न्यायपालिका अहम भूमिका निभा रही है। शर्मा शनिवार को बार एसोसिएशन, जयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर पर शर्मा ने कहा, ''स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण तक में अधिवक्ताओं के महत्वपूर्ण योगदान से ही आज दुनिया में भारतीय न्यायपालिका का बड़ा सम्मान है। यह सुखद परिणाम अधिवक्ताओं द्वारा समाज के हित में किए कार्यों से ही संभव हो सका है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में अधिवक्ताओं को बहुत ऊंचा दर्जा प्राप्त है। ये समाज के बीच रहकर उनकी परेशानियों से परिचित रहते हैं और उनको समय पर न्याय दिलवाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करते हैं। साथ ही, समाज को जोड़ने का कार्य भी करते है।

शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं को मानवीय मूल्यों की रक्षा करते हुए सेवाभाव के साथ पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने का कर्तव्य निभाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं की सुविधा के विस्तार संबंधित कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। साथ ही, संकल्प पत्र में किए वादों को समय से पहले पूरा कर हर वर्ग तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव, जिला न्यायाधीश (मेट्रो प्रथम) नंदिनी व्यास, जिला न्यायाधीश (मेट्रो द्वितीय) बलजीत सिंह, जयपुर जिला ग्रामीण न्यायाधीश अजीत कुमार हिंगड़ भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को दी बार एसोसिएशन जयपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में अधिवक्ताओं को बहुत ऊंचा दर्जा प्राप्त है। ये समाज के बीच रहकर उनकी परेशानियों से परिचित रहते हैं और उनको समय पर न्याय दिलवाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करते हैं। साथ ही, समाज को जोड़ने का कार्य भी करते है। शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं को मानवीय मूल्यों की रक्षा करते हुए सेवाभाव के साथ पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने का कर्तव्य निभाना चाहिए। साथ ही, व्यक्तिगत की बजाय समाज हित में न्याय के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्याय के मंदिर में सभी पक्षकारों को न्याय मिलना सुनिश्चित करे। अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभाव में आए व्यक्ति की मदद करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इससे समाज में उनकी प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं की सुविधा विस्तार सम्बंधित कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। साथ ही, संकल्प पत्र में किए वादों को समय से पहले पूरा कर हर वर्ग तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

इस अवसर पर सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एम.एम. श्रीवास्तव, जिला न्यायाधीश मेट्रो प्रथम श्रीमती नंदिनी व्यास, मेट्रो द्वितीय बलजीत सिंह, जयपुर जिला ग्रामीण न्यायाधीश अजीत कुमार हिंगड़ सहित नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्य और अधिवक्तागण उपस्थित थे।

कुत्तों के पीछा करने के दौरान मालगाड़ी की चपेट में आने से दो बच्चों की हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर के बनार इलाके में शुक्रवार को दो स्कूली बच्चों की मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई। घटना उस वक्त हुयी जब बच्चे कुत्तों से बचने के लिए भाग रहे थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों बच्चे चचेरे भाई-बहन थे और स्कूल से लौट रहे थे, तभी रास्ते में एक घर के कुछ पालतू कुत्तों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि डरकर बच्चे भागने लगे और रेलवे ट्रैक पर चढ़ गए। उन्होंने बताया कि बच्चों के परिवार के सदस्यों ने शव लेने से इनकार कर दिया और उन्होंने पड़ोसियों के साथ मिलकर कुत्ते के मालिक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और कुत्तों को तुरंत पकड़ने की मांग की। पुलिस ने बताया कि दोनों बच्चों की पहचान अनन्या कंवर (9) और युवराज सिंह (11) के तौर पर की गयी है।

फ्रांस के राष्ट्रपति के जयपुर दौरे को लेकर मुख्यमंत्री ने तैयारियों का लिया जायजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के 25 जनवरी को जयपुर के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। शर्मा ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति के स्वागत की सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएं। एक सरकारी बयान के मुताबिक, शर्मा ने कहा कि जयपुर हवाई अड्डे समेत उन सभी स्थानों और मार्गों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं जहां फ्रांस के राष्ट्रपति जाएंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थानों पर राजस्थान की कला व संस्कृति से सम्बंधित होर्डिंग भी लगाए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शीतलहर जारी

जयपुर। राजस्थान के ज्यादातर क्षेत्रों में शीतलहर का दौर जारी है। राज्य के विभिन्न स्थानों पर शनिवार सुबह कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। राज्य में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा। पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर शीत दिवस दर्ज किया गया।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को मिलेंगे 'प्रश्न बैंक'

जयपुर। राजस्थान के सरकारी विद्यालयों में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को 'प्रश्न बैंक' मिलेंगे। अधिकारियों ने बताया कि राज्य स्तर पर राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद से 'प्रश्न बैंक' छपवाकर सभी जिलों में विद्यालयों तक पहुंचाए जाएंगे। इस मामले में शुक्रवार को एक राज्य स्तरीय डिजिटल बैठक हुई। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने राज्य के शिक्षा अधिकारियों और स्कूलों के संस्था प्रधानों को निर्देश दिए कि जिलों में इन 'प्रश्न बैंक' के पहुंचते ही विद्यार्थियों तक इनका समय पर वितरण सुनिश्चित करे। जैन ने कहा कि विद्यार्थियों की तैयारी में अतिरिक्त मदद के लिए मिशन ज्ञान के साथ समन्वय से 'रिवीजन क्लासेज' भी शुरू की जा रही हैं, इनके लिंक भी स्कूलों और विद्यार्थियों तक पहुंचाए।

आधुनिक शिक्षा में संस्कारों का हो समावेश : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन का समापन समारोह शनिवार को एसएलबीएस अभियांत्रिकी महाविद्यालय परिसर डांगियावास में शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक योगेन्द्र, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री घनश्याम के सानिध्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर अतिथियों का पारंपरिक तरीके से साफा पहनाकर कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि हमारा इतिहास महान गुरू शिष्य परम्परा से परिपूर्ण है। उन्होंने समर्थ गुरु रामदास, चाणक्य एवं रामकृष्ण परमहंस के जीवन मूल्यों को बताते हुए कहा कि समाज में शिक्षक की भूमिका राष्ट्र निर्माता के रूप में है। शिक्षक को कोई भी ऐसा कृत्य नहीं करना चाहिए जिससे समाज एवं विद्यार्थी के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। दिलावर ने कहा सम्पूर्ण राष्ट्र राममय हो गया है, 22 जनवरी को सदियों का इंतजार खत्म होगा और हमारे पूर्वजों का स्वप्न साकार होगा। उन्होंने इस दिन अपने विद्यालयों में दीप प्रज्वलित कर पर्व के रूप में मनाने का आह्वान किया।

दिलावर ने कहा कि संस्कारहीन शिक्षा पशुत्व की ओर ले जाती है वही संस्कारयुक्त शिक्षा देवत्व को ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री के रूप में छात्रहित मेरे लिए सर्वोपरि है और व्यसनमुक्त विद्यालय मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा एवं शिक्षक संवर्ग की डीपीसी भी शीघ्र की जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के ध्येय को साकार करने के लिए विद्यालय परिसर एवं गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसमें पंचायतीराज विभाग के अधीन वित्त आयोग से प्राप्त निधि का उपयोग किया जाएगा। दिलावर ने कहा कि 15 फरवरी, सूर्य सप्तमी को प्रदेश के सभी विद्यालयों में सूर्य नमस्कार एवं व्यायाम कार्यक्रम का आयोजन कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल करवाने का प्रयास किया जाएगा।

इसके लिए सभी शिक्षकगण अपने विद्यालयों में अभ्यास करवाना प्रारंभ करें। राजस्थान शिक्षक संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा, श्रीमती जयमाला पालेरी, महेंद्र लखारा, बजरंग प्रसाद, अरूण व्यास एवं रूपाराम खोजा मंचासीन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जागरुकता

जयपुर में शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने नव मतदाताओं से भेंट कर लोकतंत्र के दायित्व के प्रति जागरूक करते हुए।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर अयोध्या की तरह सजधज रही देवनगरी दौसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। 14 वर्ष के वनवास से लौटकर आए भगवान राम के स्वागत के लिए जिस तरह अयोध्या को सजाया गया था, उसी तर्ज पर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर देवनगरी में सजावट हो रही है। शहर के हृदय स्थल गांधी तिराहा सहित आगरा रोड, लालसोट रोड, जयपुर रोड, मानगंज नई मंडी आदि बाजारों में तोरण द्वार लगाए हैं वहीं घर-घर भगवा ध्वज लहरा रहे हैं। लोग घरों एवं प्रतिष्ठानों की सजावट व रोशनी कर रहे हैं।

अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 22 जनवरी को जिले के मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम व दीप जलेंगे। अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने में जुटी हुई हैं। गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण महासभा द्वारा चाणक्य छात्रावास में अखंड रामचरितमानस पठन कर 101 जोड़े यज्ञ में आहुति देंगे। चाणक्य छात्रावास में सामूहिक दिवाली मनेगी।

मीडिया प्रभारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि 21 जनवरी को सुबह 8:30 बजे रामचरित मानस पाठ शुरू होंगे। शाम 6 बजे 2100 दीपकों से दीपोत्सव मनाया जाएगा। रंगोली, सजाकर रोशनी एवं भगवान परशुराम की आरती होगी। 22 को 101 ब्राह्मण जोड़ों द्वारा यज्ञ में आहुति दी जाएगी। 11 बजे डएऊस्क्रीन पर प्राण प्रतिष्ठा का अयोध्या से सीधा प्रसारण होगा। दोपहर 2 बजे प्रसादी शुरू होगी। 21 को सुबह 10 बजे सोमनाथ मंदिर से भव्य कलश व ध्वज यात्रा निकलेगी। दोपहर 3 बजे बजरंग मैदान में संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ होंगे। 22 को डएऊ पर लाइव प्राण प्रतिष्ठा मंदिरों दिखाई जाएगी। नगर परिषद आयुक्त मोहरसिंह मीणा ने बताया कि सब्जी मण्डी सिद्धि विनायक, रघुनाथजी मंदिर, बड़ी रामशाला, राम मन्दिर, गोविंद देवजी, नीलकंठ, गुप्तेश्वर, सोमनाथ, सहजनाथ, बैजनाथ, मोड़ा बालाजी पीलू वाले बालाजी मंदिर, दुर्गा मंदिर, श्याम मंदिर, गिरिराज धरण मंदिर सहित कई मंदिरों पर सजावट की जाएगी।

कांग्रेस ने घोषणा पत्र के लिए सुझाव प्राप्त किए

जयपुर। कांग्रेस कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र तैयार करने के वास्ते विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिक समाज के सदस्यों, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई तथा कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए। बैठक में कांग्रेस के विधायकों, पूर्व विधायकों, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों से आए प्रतिनिधियों ने बैठक में अपने-अपने सुझाव प्रदान किये जिन पर सभी ने चर्चा की।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 35 सड़कों की स्वीकृति मिली है। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में स्वीकृति जारी की है। पीएमजीएसवाई-थर्ड के तहत प्रदेश में 251.38 करोड़ रु. की लागत से 394.65 किमी. की 35 सड़कें बनाने की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री गिरिराज सिंह का धन्यवाद देते हुए कहा है कि पिछले दो वर्षों से यह स्वीकृति नहीं मिल रही थी किन्तु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार के विशेष प्रयासों से यह स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसके तहत डीडवाना - कुचामन, झुंझनु और नागौर जिले में 35 सडकें बनाई जायेंगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में सडकें बनने से गांव से शहर का संपर्क सुदृढ़ एवं त्वरित होगा। इससे ग्रामीण उत्पादों की शहरों तक पहुंच सुनिश्चित होगी जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि गांवों में आधारभूत सुविधाऐं मजबूत होने से गांव इकोनोमिक हब के रूप में विकसित होंगे जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को हम जल्द से जल्द हासिल कर सकेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है।

किन्नरों ने पेश की दरगाह में चादर

अजमेर। अजमेर में इन दिनों चल रहा ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती का सालाना 812वां उर्स रविवार को बड़े कुल की रस्म के साथ समाप्त हो जाएगा। उससे पूर्व शनिवार को देश के अलग-अलग हिस्सों से आए किन्नरों ने ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में चादर पेश की। मोती कटला से ढोल धमाकों की थाप पर जुलूस के रूप में नाचते गाते हुए किन्नर ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में पहुंचे। जहां उन्होंने अकीदत के फूल और मखमली चादर पेश कर दुआएं मांगी। किन्नरों ने बताया वह मुंबई और कर्नाटक से हर साल ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के सालाना उर्स में शिरकत करने के लिए अजमेर आते हैं।

1000 टन बालू से बनाया गया भव्य राम मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। इसे लेकर पूरे देश में आस्था का माहौल है। वहीं, अजमेर के पुष्कर में भी एक ऐसा राम भक्त है, जिसने कई दिनों की कड़ी मेहनत से बालू मिट्टी के माध्यम से श्रीराम मंदिर की कलाकृति बनाकर श्रीराम भगवान को समर्पित किया है। प्रभु राम के भक्त अलग-अलग अंदाज में इस ऐतिहासिक पल को संजो रहे हैं। वहीं अजमेर और धार्मिक नगरी पुष्कर में भी इसका पूरा असर दिखाई दे रहा है।

पुष्कर के एक सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने सबसे बड़े राम मंदिर की कलाकृति बनाई है, सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने बताया कि पिछले एक महीने पहले कलाकृति बनाने की शुरुआत की गई थी, जो आज पूरी हो चुकी है। पुष्कर स्थित रेत के थोरो में बालू मिट्टी का राम मंदिर तैयार किया गया है। इस कलाकृति की 20 जनवरी को वैदिक मंत्रोच्चर के साथ पूजा अर्चना कर शुरुआत की गई। सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने बताया कि हर दिन इस पर उन्होंने तीन से चार घंटे बालू मिट्टी से कलाकृति बनाने का काम किया और इसमें 10 ट्रैक्टर से ज्यादा बालू मिट्टी काम में लाई गई। अजय बताते हैं कि इसके पहले उन्होंने कई मंदिर और कलाकृतियां बनाई हैं। पिछले 12 सालों से वह इस काम में हैं और वह लगातार इस तरह का काम कर रहे हैं। राम मंदिर को लेकर बनाई गई अजय की इस कलाकृति की चर्चा सोशल मीडिया पर भी खूब हो रही है। यह कलाकृति अभी तक की सबसे बड़ी और खूबसूरत है।

राम मंदिर की कलाकृति बनाने में उन्हें हर दिन कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उसके बाद राम मंदिर की कलाकृति बनकर तैयार हुई है। वह अभी तक एक हजार से ज्यादा कलाकृतियां बना चुके हैं।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पोर्टेबल अस्पताल 'भीष्म' स्थापित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयारियां जारी रहने के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए व्यापक चिकित्सकीय तैयारी और प्रतिक्रिया योजना बनाने के वास्ते उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है।

अयोध्या में अपनी तरह का पहला 'आरोग्य मैत्री डिजास्टर मैनेजमेंट क्यूब'– भीष्म (स्वदेशी पोर्टेबल अस्पताल) स्थापित किया गया है जो आपदा प्रतिक्रिया और चिकित्सा सहयोग के लिए कई नवोन्मेषी उपकरणों से लैस है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इससे प्रभावी समन्वय, वास्तविक समय में निगरानी और चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय को उम्मीद है कि हजारों श्रद्धालु और तकरीबन 8,000 आमंत्रित अतिथि अयोध्या पहुंच सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेंगे। बयान में कहा गया है कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का लाखों श्रद्धालुओं के लिए काफी महत्व है जिससे वहां आने वाले सभी लोगों की कुशलक्षेम के लिए मजबूत स्वास्थ्य देखभाल संबंधी उपाय उठाना आवश्यक हो गया है। इसमें कहा गया है कि योगी आदित्यनाथ सरकार विभिन्न उपायों के जरिए मौजूदा चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है। इनमें मेला क्षेत्र में एक नियंत्रण कक्ष, 16 प्राथमिक चिकित्सा बूथ और दो अस्थायी फील्ड अस्पताल स्थापित करना शामिल हैं। इसमें तुलसी उद्यान में 20 बिस्तरों का अस्पताल और टेंट सिटी में 10 बिस्तरों का अस्पताल शामिल है। ये चौबीसों घंटे काम करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवाओं के सचिव और महानिदेशक ने चिकित्सा बुनियादी ढांचे का आकलन करने के लिए हाल में अयोध्या का दौरा किया।

बयान में कहा गया है कि इस दौरान किसी भी अप्रत्याशित आपात स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों में केंद्र सरकार के अस्पताल सतर्क रहेंगे।

क्या कोई गांधी परिवार से 'ज्यादा भ्रष्ट' हो सकता है : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर पलटवार करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि गांधी परिवार से ''ज्यादा भ्रष्ट'' कोई नहीं हो सकता। असम में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दो दिन में कई सार्वजनिक सभाओं में शर्मा को ''देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' बताया है। उन्होंने शनिवार को तीसरे दिन भी राज्य में यात्रा की अगुवाई की। इसके बाद यात्रा अरुणाचल प्रदेश पहुंच गई। यात्रा रविवार को फिर असम में दाखिल होगी।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तथाकथित गांधी परिवार से आने वाली किसी भी अपमानजनक टिप्पणी को मैं आशीर्वाद की तरह मानता हूं, क्योंकि यह मुझे ऐसे परिवार के खिलाफ लड़ने की ऊर्जा देता है, जो अपने आप को सबसे ताकतवर मानता है।

उन्होंने यह भी कहा, लेकिन मैं केवल एक बात पूछना चाहता हूं कि क्या कोई गांधी परिवार से भी ज्यादा भ्रष्ट हो सकता है? – बोफोर्स घोटाला, नेशनल हेराल्ड घोटाला, भोपाल गैस त्रासदी, एंडरसन का भागना, 2जी घोटाला, कोयला घोटाला आदि (सूची बड़ी लंबी है और यह जारी है।)''

राहुल ने शर्मा की आलोचना करते हुए उन्हें देश में 'सबसे भ्रष्ट' मुख्यमंत्री बताया था। उन्होंने कहा था, असम के मुख्यमंत्री इतने भ्रष्ट हैं कि वह भाजपा शासित अन्य राज्यों के अपने समकक्षों को भ्रष्टाचार करना सिखा सकते हैं।

एक साथ चुनाव: प्रत्येक 15 साल में नई ईवीएम के लिए 10,000 करोड़ रुपए की जरूरत पड़ने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने की स्थिति में उसे नई 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) खरीदने के लिए प्रत्येक 15 वर्ष में करीब 10,000 करोड़ रुपए की जरूरत पड़ेगी।

सरकार को भेजे गए एक पत्र में, आयोग ने कहा कि ईवीएम के उपयोग की अवधि 15 साल है और यदि 'एक साथ चुनाव' कराए जाते हैं तो मशीनों के एक सेट का उपयोग उनके इस्तेमाल की इस अवधि के दौरान तीन बार चुनाव कराने के लिए ही किया जा सकता है।

अनुमान के मुताबिक, इस साल लोकसभा चुनाव के लिए देशभर में कुल 11.80 लाख मतदान केंद्र बनाने की आवश्यकता होगी। लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने के दौरान, प्रत्येक मतदान केंद्र पर ईवीएम के दो सेट की आवश्यकता होगी––एक, लोकसभा सीट के लिए और दूसरा, विधानसभा सीट के लिए। आयोग ने सरकार को भेजे गए पत्र में पूर्व के अनुभवों के आधार पर कहा है कि मतदान के दिन विभिन्न स्तर पर त्रुटिपूर्ण इकाइयों को बदलने के लिए कुछ प्रतिशत 'कंट्रोल यूनिट' (सीयू), बैलट यूनिट' (बीयू) और 'वोटर–वेरिफियेबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) मशीनों की आवश्यकता होती है। इस संबंध में एक ईवीएम के साथ कम से कम एक बीयू, एक सीयू और एक वीवीपैट मशीन की जरूरत होती है।

आयोग ने पिछले साल फरवरी में कानून मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में कहा था कि विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, एक साथ मतदान के वास्ते आवश्यक न्यूनतम ईवीएम और वीवीपैट के लिए 46,75,100 बीयू, 33,63,300 सीयू और 36,62,600 वीवीपैट होने चाहिए। बीते वर्ष की शुरुआत में, ईवीएम की अंतरिम लागत 7,900 रुपए प्रति बीयू, 9,800 रुपए प्रति सीयू और वीवीपैट की 16,000 रुपए प्रति यूनिट थी। आयोग, एक साथ मतदान पर कानून मंत्रालय द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का जवाब दे रहा था। निर्वाचन आयोग ने अतिरिक्त मतदान कर्मियों और सुरक्षाकर्मियों, ईवीएम के लिए बढ़ी हुई भंडारण सुविधाओं और अधिक वाहनों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

त्रिपुरा और अयोध्या के बीच तीन विशेष ट्रेन चलेंगी: रेलवे

अगरतला/भाषा। रेलवे ने त्रिपुरा को तीन विशेष ट्रेन आवंटित की हैं, जिसके जरिए लोग अयोध्या के राम मंदिर में पूजा करने के लिए उत्तर प्रदेश जा सकेंगे। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के एक नेता ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को अगरतला से अयोध्या तक विशेष ट्रेन उपलब्ध कराने के लिए एक पत्र लिखा था, जिसके बाद पूर्वोत्तर राज्य को यह तीन विशेष ट्रेन उपलब्ध कराई गईं।

भाजयुमो की त्रिपुरा इकाई के महासचिव राणा घोष ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, रेलवे ने राज्य के राम भक्तों को अयोध्या जाने और भगवान राम की पूजा करने के लिए तीन विशेष ट्रेन आवंटित की हैं। ये ट्रेन 31 जनवरी, 21 फरवरी और 27 फरवरी को राज्य से अयोध्या के लिए रवाना होंगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या जाने वाली प्रत्येक ट्रेन में राज्य के 1,640 यात्री सवार होंगे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में पार्टी नेताओं और समर्थकों को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा, पार्टी नेताओं के अलावा राम भक्तों को भी भगवान राम की पूजा करने के लिए अयोध्या जाने वाली ट्रेन में सवार होने का मौका मिलेगा। लगभग पांच हजार तीर्थयात्री 27 फरवरी तक राम मंदिर में दर्शन कर सकेंगे।

जदयू ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम घोषित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/पटना/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) ने शनिवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की एक नई सूची घोषित की, जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंजूरी दी है। कुमार ने करीब एक महीने पहले ही जदयू अध्यक्ष का पद संभाला था।

वरिष्ठ समाजवादी नेता, राज्यसभा सदस्य एवं कुमार के करीबी सहयोगी वशिष्ठ नारायण सिंह को जदयू का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। सिंह ने तीन साल पहले स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जदयू प्रदेश इकाई के प्रमुख का पद छोड़ दिया था। सिंह की कुमार के साथ मित्रता 1974 में बिहार में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाले छात्र आंदोलन के समय की है। सिंह ने मंगनी लाल मंडल की जगह ली है, जो पिछले साल मार्च में चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के बाद जदयू उपाध्यक्ष बनने वाले दूसरे नेता थे। किशोर ने 2017 में जदयू उपाध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। मंडल को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। जदयू नेता के.सी. त्यागी को ''राजनीतिक सलाहकार और प्रवक्ता'' बनाया गया है। सूची में दूसरे प्रवक्ता राजीव रंजन हैं, जो मुख्यमंत्री के गृह जिला नालंदा के पूर्व विधायक हैं और पिछले साल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ने के बाद जदयू में लौटे थे। हालांकि, रंजन अब राष्ट्रीय महासचिव नहीं हैं। राष्ट्रीय महासचिवों की संख्या घटाकर 11 कर दी गई है, जबकि पिछले साल मार्च में सामने आयी पिछली सूची में यह संख्या 20 थी। तब पार्टी का नेतृत्व राजीव रंजन सिंह 'ललन' कर रहे थे। राजीव रंजन सिंह ने अपनी मुंगेर लोकसभा सीट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले महीने पार्टी का अध्यक्ष पद छोड़ दिया था। राजीव रंजन सिंह ने पार्टी अध्यक्ष पद इन अफवाहों के बीच छोड़ा था कि वह सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के करीबी हो गए हैं।

हालांकि, ललन पर नीतीश कुमार का अभी भी विश्वास है और वह विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की बैठकों में संजय कुमार झा के अलावा नीतीश कुमार के साथ रहे हैं। झा को राष्ट्रीय महासचिव के रूप में बरकरार रखा गया है। झा राष्ट्रीय महासचिवों की सूची में शामिल होने वाले बिहार के एकमात्र मंत्री हैं। जिन अन्य लोगों को प्रमुख पद पर बरकरार रखा गया है उनमें राज्यसभा सदस्य रामनाथ ठाकुर शामिल हैं, जिनके दिवंगत पिता कर्पूरी ठाकुर बिहार के मुख्यमंत्री रहे थे और नीतीश कुमार और राजद प्रमुख लालू प्रसाद के राजनीतिक गुरु थे।

गठबंधन के लिए कांग्रेस से बातचीत जारी, जल्द फैसला होने की उम्मीद : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के साथ सीट बंटवारे पर सहमति बनने के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि गठबंधन के लिए कांग्रेस से बातचीत जारी है और उन्होंने उम्मीद जताई कि फैसला जल्द होगा।

यहां सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, हम कांग्रेस से (लोकसभा चुनाव में) गठबंधन के लिए बातचीत कर रहे हैं, दिल्ली में कई बैठकें हो चुकी हैं। जल्द ही और बैठकें होंगी और रास्ता निकाला जाएगा। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को मजबूत होना चाहिए। सवाल सीट का नहीं बल्कि जीत का है, जीत के आधार पर हम सब मिलकर फैसला लेंगे।

समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को गठबंधन की औपचारिक घोषणा की। इसके साथ ही रालोद ने कहा कि वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सात सीट पर चुनाव लड़ेगी। इस साल के अंत में होने वाले चुनाव के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर गठबंधन की घोषणा की।

विमान के मार्ग परिवर्तित होने पर 'ग्राउंड स्टाफ' के व्यवहार को लेकर यात्री ने साझा किया 'खराब' अनुभव

कोलकाता/भाषा। मुंबई से रांची जाने वाले विमान को खराब मौसम के कारण कोलकाता की ओर मोड़े जाने से संबंधित अपने अनुभवों को 'भयावह' करार देते हुए एक यात्री ने आरोप लगाया कि एयरलाइन के कर्मियों ने वादे के अनुरूप उनके लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं की। यात्री का आरोप है कि मार्ग परिवर्तित किए जाने के दौरान उनसे विमान से उतरने पर उचित व्यवस्था का वादा किया गया था, जिसके बावजूद विमानन कंपनी के कर्मचारियों ने यात्रियों की सहायता से इनकार कर दिया। निजी विमान कंपनी इंडिगो ने हालांकि कहा कि 19 जनवरी को विमान संख्या 6ई–221 में सवार सभी यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराया गया और उन्हें पैसे वापस करने या फिर वैकल्पिक उड़ान का विकल्प भी दिया गया था। विमान में सवार यात्री विक्रम श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया पर बताया कि यात्रियों को होटल में ठहराने और वैकल्पिक उड़ानों का 'झूठा वादा' कर विमान से उतार दिया गया। उन्होंने पोस्ट में कहा, विमानन कंपनी के कर्मचारियों ने सप्ताह के भीतर किराया वापसी, चावल के पैकेट को छोड़कर हर चीज से इनकार कर दिया। विमान में गर्भवती महिलाएं और बुजुर्ग भी यात्रा कर रहे थे बावजूद इसके इंडिगो के कर्मचारियों ने यात्रियों की मदद करने से इनकार कर दिया और तीसरे स्थान पर खुद से व्यवस्था करने को कहा।

भाजपा देश को जाति, पंथ, धर्म के नाम पर बांट रही है : राहुल गांधी

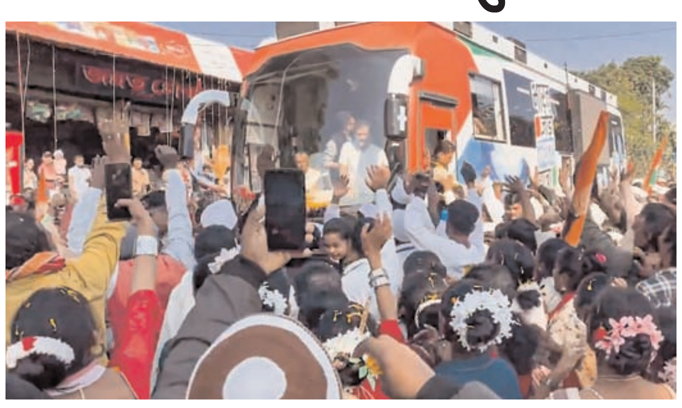

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने के तुरंत बाद राहुल गांधी ने भाजपा पर जाति, पंथ और धर्म के नाम पर देश को विभाजित करने का आरोप लगाया।

दोईमुख के निवासियों के साथ बातचीत करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को धर्म और भाषा के नाम पर आपस में लड़ने के लिए उकसाती है। उन्होंने दावा किया, भाजपा कुछ उद्योगपतियों के हित के लिए काम करती है, न कि उन लोगों के हित के लिए जो बेहद परेशानियों का सामना कर रहे हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस लोगों को एकजुट करने और उनकी बेहतरी के लिए काम करती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि 6,713 किलोमीटर लंबी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का उद्देश्य ''पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की पीड़ा को उठाना है। यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। गांधी ने कहा, हमने अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा दिया और हमारी पार्टी गरीबों के मुद्दों को उठाने तथा युवाओं, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों की बेहतरी के लिए काम करने के लिए हमेशा तत्पर रहती है। उन्होंने देश में बेरोजगारी के लिए भी भाजपा पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा शासन में, न तो सरकार लोगों की शिकायतें सुनने के लिए तैयार है और न ही मीडिया उनके मुद्दों को उठाता है। यात्रा के दौरान मैं सुबह से शाम तक कई घंटों की यात्रा कर रहा हूं और जगह–जगह रुककर लोगों का दुख–दर्द सुन रहा हूं।

जद(यू)-राजद गठबंधन का टूटना तय, राजग के लिए अच्छी खबर आएगी : पशुपति पारस

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटकों के साथ जनता दल (यूनाइटेड) की कथित नाखुशी के बीच बिहार में भाजपा के एक प्रमुख सहयोगी दल 'राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी' के नेता एवं केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने शनिवार को दावा किया कि राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन का टूटना 'शत–प्रतिशत' तय है। पारस ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए 'अच्छी खबर' आएगी।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के नेता पारस ने दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद के बीच मतभेद गहरे हो गए हैं। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, उनका गठबंधन टूटना सौ–फीसदी तय है। 'खरमास' (हिंदू मान्यता में अशुभ माना जाने वाला समय) समाप्त हो गया है। बाईस जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजित होगा। एक शुभ अवधि शुरू हो गई है और जो भी होगा, वह भाजपा नेतृत्व वाले राजग के लिए अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि बिहार समेत पूरा देश राम मंदिर को लेकर उत्साह में डूबा हुआ है और विपक्ष के लिए चुनाव में कोई संभावनाएं नहीं है।

पुरी विरासत गलियारा परियोजना के लिए कुर्सी छोड़ने के लिए भी तैयार थे पटनायक : पांडियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के नेता वी के पांडियन ने यहां कहा कि ओडिशा के पांच बार के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पुरी में श्रीमंदिर परिक्रमा प्रकल्प और पुरी विरासत गलियारा परियोजना के लिए दृढ़ संकल्पित थे, फिर चाहे उन्हें अपनी 24 साल पुरानी सरकार ही क्यों ना छोड़नी पड़े।

पटनायक के करीबी सहयोगी और नौकरशाह से नेता बने पांडियन ने ये बातें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इस कार्यक्रम में 11 देशों और 20 भारतीय राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। पांडियन ने पटनायक के हवाले से कहा, मैं जोखिम लूंगा, मैं अपनी सरकार छोड़ दूंगा, लेकिन मैं यह (परियोजना) पूरा करूंगा।

पांडियन 800 करोड़ रुपए के श्रीमंदिर परिक्रमा प्रकल्प और पुरी के जगन्नाथ मंदिर के आसपास विरासत गलियारे पर दर्शकों को संबोधित कर रहे थे। इस परियोजना का 2021 में शुरुआत से ही कई लोगों ने विरोध किया था। हालांकि, पटनायक अड़े रहे और इसे दृढ़ संकल्प के साथ पूरा किया।

तेंदुए ने हमला कर आठ वर्षीय बच्ची को मार डाला

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले में कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के सुजौली क्षेत्र में अपने पिता के साथ खेत में मौजूद आठ साल की बच्ची की तेंदुए के हमले में मौत हो गई। प्रभागीय वनाधिकारी बी. शिव शंकर ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि अभयारण्य के सुजौली थाना क्षेत्र में रहने वाले अयोध्यापुरवा गांव निवासी इसराइल की बेटी आयशा (8) अपने पिता के साथ खेत में गई थी। शुक्रवार दोपहर को अचानक जंगल से निकलकर आए एक तेंदुए ने खेत में आयशा पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि बच्ची की चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया तो तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। लेकिन इस दौरान बच्ची की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी वनकर्मियों व विशेष बाघ सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंचे।

दादी ने 10 वर्षीय पोती को कुएं में फेंका, मौत

सुल्तानपुर (उप्र)/भाषा। सुल्तानपुर जिले के कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को एक महिला ने अपनी 10 वर्षीय पोती को कुएं में फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के नोनरा गांव में शनिवार सुबह लगभग 10 बजे संतोष निषाद की 10 वर्षीय पुत्री रिया को उसकी दादी ने कुएं में फेंक दिया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे कुएं से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कादीपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि पारिवारिक कलह के चलते दादी सुदामा (50) पत्नी देवी प्रसाद ने बच्ची को कुएं में फेंक दिया।

ईडी ने धन शोधन मामले में कड़ी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री सोरेन से पूछताछ शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से यहां उनके आधिकारिक आवास पर शनिवार दोपहर पूछताछ शुरू की।

एक अधिकारी ने बताया कि भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती के कारण पूरा इलाका किले में तब्दील हो गया है। सोरेन (48) झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। वह इससे पहले, ईडी द्वारा सात बार समन जारी किए जाने पर पूछताछ के लिए एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे। ईडी द्वारा आठवीं बार उन्हें समन जारी किए जाने पर आखिरकार उन्होंने अपनी सहमति दे दी। अधिकारी ने बताया कि जांच एजेंसी के अधिकारी दोपहर करीब एक बजे सोरेन के आवास पर पहुंचे। मौके पर बड़ी संख्या में तैनात सुरक्षा कर्मी मुख्यमंत्री आवास के आसपास गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुए हैं। राशन वितरण से संबंधित करोड़ों रुपए के कथित घोटाले के सिलसिले में पश्चिम बंगाल में ईडी अधिकारियों पर हुए हालिया हमले के मद्देनजर यह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस बीच, झामुमो ने सोरेन के आवास पर पार्टी के विधायकों की एक बैठक बुलाई। पार्टी महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रीयो भट्टाचार्य ने पीटीआई–भाषा से कहा, ईडी मुख्यमंत्री से पूछताछ कर रही है...हम भी अपनी बैठक कर रहे हैं...आगे की रणनीति, पूछताछ के नतीजे के आधार पर बनाई जाएगी। जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी ने सोरेन से ईडी की पूछताछ शुरू होने से पहले कहा कि मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से धैर्य रखने को कहा है। अंसारी ने कहा, मुख्यमंत्री मुझे देखने के बाद भावुक हो गए और हमसे धैर्य रखने को कहा। सोरेन को ईडी के समन के खिलाफ आदिवासियों के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर भट्टाचार्य ने कहा कि यह स्वत: हुई प्रतिक्रिया है और झामुमो ने इसके लिए कोई आह्वान नहीं किया था।

रेजा ढिल्लों ने रजत पदक जीतकर भारत को 18वां ओलंपिक कोटा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुवैत सिटी/भाषा। युवा निशानेबाज रेजा ढिल्लों ने शनिवार को यहां शॉटगन के लिए एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन में महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत के लिए पेरिस खेलों का 18वां कोटा हासिल किया। ढिल्लों (19 वर्ष) छह महिलाओं के फाइनल में आगे चल रही थीं लेकिन फिर वह दो–तीन निशाने चूककर चीन की जिनमेई गाओ से पिछड़ गईं। गाओ ने 60 शॉट के फाइनल में 56 निशाने लगाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि ढिल्लों 52 हिट के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहीं।

गाओ और ढिल्लों दोनों ने पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया। ढिल्लों के साथ हमवतन निशानेबाज महेश्वरी चौहान ने 43 निशाने लगाकर कांस्य पदक जीता। वहीं भारतीय निशानेबाज गनेमत सेखों 30 अंक से चौथे स्थान पर रहीं। ढिल्लों छह में से छह निशाने के साथ शीर्ष पर थीं। उन्होंने फाइनल में 14 हिट तक बढ़त बनाए रखी और दो अंक से गाओ से आगे रहीं। लेकिन ढिल्लों दो निशाने चूक गईं और गाओ ने बढ़त बना ली। भारतीय निशानेबाज फिर चूक गईं और चीनी खिलाड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। फिर दो भारतीय निशानेबाज ढिल्लों और चौहान के बीच रजत पदक के लिए कशमकश चल रही थी। लेकिन ढिल्लों बाजी मारकर चौहान से आगे निकलकर स्वर्ण पदक के लिए कोशिश कर रही थीं और चौहान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। स्वर्ण पदक के मुकाबले में ढिल्लों दो बार चूकीं और गाओ ने तीन अंक की बढ़त से पहला स्थान प्राप्त किया। इससे पहले सेखों ने क्वालीफिकेशन में 117 के स्कोर से दूसरे स्थान से, चौहान 115 अंक के साथ तीसरे स्थान से और ढिल्लों ने छठे स्थान से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

सुविचार

किसी दिन, जब आपके सामने कोई समस्या ना आए आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि आप गलत मार्ग पर चल रहे हैं।

ट्वीट

भक्ति एवं शक्ति की पावन धरा बीकानेर स्थित भानीपुरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत लगाए शिविर का अवलोकन किया व केंद्र सरकार की विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी भाई-बहनों से आत्मीय संवाद स्थापित किया।

-भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रयासों से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, चरण-3 के अंतर्गत राजस्थान के ग्रामीण सड़कों का कायाकल्प आ निर्माण हेतु अमूल्य सौगात देने के लिए धन्यवाद!

-दीया कुमारी

विशेष

समाज को उच्च आदर्शों के लिए प्रेरित करते हैं श्रीराम

आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 99362 47777

श्रीराम के नाम के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम जुड़ा है, क्योंकि वह हमेशा मर्यादा का पालन करते रहे। वह एक श्रेष्ठ राजा, आदर्श बेटे, उच्च कोटि के शिष्य, आदर्श भाई और पति थे, जिन्हें युगांतर तक उनके इसी रूप में याद किया जाएगा। पूरा जीवन श्रीराम सत्य, धर्म, दया और मर्यादा के पथ पर चले। इसी कारण उनके राज को राम राज्य' कहा गया। हर कोई उम्मीद करता है कि 'बेटा हो तो राम जैसा', 'राजा हो तो राम जैसा', 'चरित्र हो तो राम जैसा'।

जन कल्याण की दृष्टि से रामराज्य एक आदर्श और संपूर्ण व्यवस्था के रूप में प्रसिद्ध हैं। महात्मा गांधी ने आधुनिक भारत के लिए ऐसी ही शासन व्यवस्था की कामना की थी, जो रामराज्य के अनुरूप हो। राम के चरित्र में राजशाही और लोकतंत्र का अनोखा संगम है। वे मतदान के द्वारा चुनकर राजा नहीं बने थे, लेकिन जनता की इच्छा को जाने बगैर वे कुछ करते भी नहीं थे। वे अपने स्वार्थों के लिए प्रजा की इच्छा की अवहेलना कभी नहीं करते थे। इसी आदर्श को ध्यान में रखकर राम ने प्राणों से प्यारी धर्मपत्नी सीता का परित्याग किया था, व्यक्तिगत कष्ट सहकर भी राजा का दायित्व निभाया था। राम कुर्सी को लपकने के लिए कभी उतावले नहीं रहे, इसलिए कुर्सी की कमजोरियां उन्हें बांध नहीं पायीं। वे आश्वासन बेचते नहीं फिरते थे। जो कहते थे, करते थे। प्रजा ही नहीं, अपने परिवार का भी उन्होंने अखंड विश्वास प्राप्त किया था। वे सबके दिलों में गहरे बैठे हुए थे। मनमानी करने की उन्हें छूट थी, लेकिन वे राज्य नियमों की मर्यादा से हमेशा जुड़े रहे।

चौदह वर्ष का वनवास के बाद राम को सिंहासन मिल रहा था। लेकिन वे अधीर और असंयत नहीं हुए। उन्हें अपनी चिंता बहुत कम थी। सबसे पहले राम ने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि वे जाकर सुग्रीव आदि मित्रों को स्नान कराएं। इसके बाद राम ने भरत को बुलाया और अपने हाथों से उसकी जटाओं को सुलझाया। सिंहासन मिलने के बाद केवल प्रजा ही नहीं, देवताओं आदि ने भी राम की स्तुति गायी। वेदों और शिवजी ने भी प्रभु की वंदना की। राम को इतना मान-सम्मान मिला, लेकिन वे इससे फूलकर अपने विवेक को नहीं खो बैठे। अपने कर्तव्य की याद उन्हें बनी रही। जैसे ही महादेव गये, प्रभु ने अवकाश पाकर पहला काम यह किया कि लंका से आये अपने मित्रों के लिए अच्छे आवास की व्यवस्था करायी। राजा के रूप में राम की यह प्रथम आज्ञा थी। जिन्हें केवल राम का भरोस है, उनकी देखभाल के लिए प्रभु सबसे पहले चिंतित हुए। प्राय: कुर्सी पाते ही राजा अपने बारे में अधिक व्यग्र हो जाता है, उसे अपने लिए सुंदर निवास की चिंता होती है। लेकिन राम की वृत्ति अपने बारे में सोचने की नहीं थी।

राजा बनकर राम ने प्रजा की ओर ध्यान दिया और एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना की। सभी लोग अपनी मर्यादा में रहने लगे। मनुष्य, जीव-जन्तु और प्रकृति के बीच में राम ने समन्वय स्थापित किया। मनुष्य सदाचारी बनें, जीव-जन्तुओं ने अपनी पशुवृत्ति को संयत किया और प्रकृति सदा फलने-फूलने वाली बन गयी। समाज में दूषण न होने के कारण प्रकृति में प्रदूषण की समस्या भी नहीं थी। सभी का जीवन सहज और संयत था। कोई किसी से वैर नहीं करता। राम के प्रताप से सारी विषमताओं का अन्त हो गया है। इन विषमताओं को समाप्त करने के लिए राम ने कोई जादू नहीं किया था। सहयोग, सलाह और समन्वय की नीति अपनाकर राम ने यह उपलब्धि पायी थी। सबको सम्मान देकर अपने लिए सम्मान प्राप्त किया था। वे सबके सहयोग से निर्णय लेने में विश्वास करते थे। वे समन्वय के पक्षधर थे, अपने किसी आचरण से अलगाव या भेद नहीं उत्पन्न करना चाहते थे।

बहुत ही स्पष्ट ढंग से राम मानवीय आदर्शों की विवेचना करते हुए कहते हैं कि सबसे बड़ा धर्म हैकृ दूसरों के कल्याण के लिए काम करना। वास्तव में, मनुष्य के जीवन को मर्यादित करने का यह अनूठा सिद्धानत है। यदि आप दूसरे की भलाई करेंगे तो आपकी भलाई होगी ही! जो दूसरों की प्यास बुझाता है, वह स्वयं प्यासा नहीं मर सकता। लेकिन जो दूसरों को प्यासा रखता है, उसके तड़प-तड़पकर मरने की संभावना अधिक होती है। दूसरों को कष्ट देने से बड़ी नीचता और कुछ और नहीं हो सकती। इस नीचता से आदमी रामराज्य में बचा था। उसे हर युग में इससे बचना चाहिए। दूसरों का दुख पहुंचाकर क्षणिक सुख भले ही मिले, पर मानसिक संतोष नहीं मिल सकता।

राम राजा के रूप में अपने श्रेष्ठ आचरण से पूरे समाज को उच्च आदर्शों के लिए प्रेरित करते हैं। राम का चरित्र दोमुंहा नहीं है। मंच पर प्रजा के लिए आंसू बहाकर घर में रंगरेलियां मनाने की मंशा उन्होंने कभी नहीं की। राजा के रूप में उनका जीवन प्रजा के लिए पूर्ण समर्पित था। वे अन्त:करण से यह स्वीकार करते थे कि मनुष्य का तन हर किसी को बड़े भाग्य से मिलता हैक, इसका सदुपयोग होना चाहिए। राजा को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे हर मनुष्य अपना पूर्ण विकास कर से। यह कहकर राम अपनी प्रजा को श्रेष्ठ आदर्शों की ओर झुकाना चाहते हैं। वे राज्य में ऐसी व्यवस्था कर चुके हैं, जहां आदमी अपने व्यवसाय के अनुरूप सुख सुविधा का जीवन जी सके; और वे यह भी चाहते हैं कि उनकी प्रजा सदाचरण करते हुए मोक्ष भी प्राप्त करे।

राम की यह चिंता एक श्रेष्ठ राजा का आवश्यक कर्तव्य है। जो राजा अपनी प्रजा के पूर्ण विकास की व्यवस्था की चिंता नहीं करता, वह प्रजा का प्यार नहीं पा सकता। उसकी शासन व्यवस्था समाज को सुख शांति नहीं दे सकती। राम इस सत्य को अच्छी तरह जानते थे। इसीलिए उन्होंने अपनी प्रजा की लौकिक और पारलौकिक जिन्दगी संवारने के लिए व्यावहारिक प्रणाली की रचना की। इसीलिए आज भी हर कोई रामराज्य की कामना करता है।

जिस लोककल्याणकारी राज्य का शोर हम सुनते है उसकी अवधारणा भी हमें राम ने ही दी है। वंचित, शोषित, वास्तविक जरूरतमंद के साथ सत्ता का खड़ा होना राम राज की बुनियाद है। वह राज्य में धनियों से अधिक कर वसूलने और निर्धनों को मदद की अर्थनीति का प्रतिपादन करते है। आज की सरकारें भी यही कहती है। वर्तमान राजनीति के सर्वाधिक सुविधाजनक शब्द है 'दलित आदिवासी'। इस वर्ग की जन्मजात प्रतिभा प्रकटीकरण के प्रथम अधिष्ठाता राम ही है। अवध नरेश का राज पूरे भारत तक फैला था वह अगर चाहते तो अपनी शाही सेना के साथ भी रावण से युद्ध कर सकते थे। दूसरे राजाओं से भी सहायता ले सकते थे। लेकिन राम ने वनवासियों के साथ उनकी अंतर्निहित सामरिक शक्ति के साथ रावण और दुसरे असुरों से संघर्ष करना पसंद किया। वनवासियों, दलितों के साथ पहली शाही सेना बनाने का श्रेय भी हम राम को दे सकते है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन, उनकी कर्तव्यनिष्ठा और उच्च आदर्श पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा के स्रोत हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एक आदर्श के रूप में हर व्यक्ति के दिलों में विद्यमान हैं। वास्तव में, श्रीराम भारत की चेतना का शाश्वत आधार है। ठीक वैसे ही जैसे दही में नवनीत समाहित है। जिस अंतिम छोर तक राम लोगों को प्रेरित करते है वही राम की वास्तविक अक्षुण्य शक्ति भी है। हमें श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने चाहिए और एक बेहतर समाज और आपसी सद्भाव का वातावरण बनाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। जहां सबके लिए विकास और उन्नति का साधन हो।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

राम, राम-सा..!

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे,
सहस्त्रनामतत्तुल्यं राम नाम वरानने।

राम मर्यादापुरुषोत्तम हैं, लोकहितकारी हैं। राम एकमेवाद्वितीय हैं। राम राम-सा ही हैं, अन्य कोई उपमा उन्हें परिभाषित नहीं कर सकती।

विशेष बात यह कि अनन्य होकर भी राम सहज हैं, अतुल्य होकर भी राम सरल हैं, अद्वितीय होकर भी राम हरेक को उपलब्ध हैं। डाकू रत्नाकर ने मरा-मरा जपना शुरू किया और राम-राम तक आ पहुँचा। व्यक्ति जब सत्य भाव और करुण स्वर से मरा-मरा जपने लगे तो उसके भीतर करुणासागर राम आलोकित होने लगते हैं। राम का शाब्दिक अर्थ हृदय में रमण करने वाला है। रत्नाकर का अपने हृदय के राम से साक्षात्कार हुआ और जगत के पटल पर महर्षि वाल्मीकि का अवतरण हुआ। राम का विस्तार शब्दातीत है। यह विस्तार लोक के कण-कण तक पहुँचता है और राम अलौकिक हो उठते हैं। कहा गया है, 'रमते कणे कणे, इति राम:'.. जो कण-कण में रमता है, वह राम है।

राम ने मनुष्य की देह धारण की। मनुष्य जीवन के सारे किंतु, परंतु, यद्यपि, तथापि, अरे, पर, अथवा उन पर भी लागू थे। फिर भी वे परम पुरुष सिद्ध हुए।

वस्तुतः इस सिद्ध यात्रा को समझने के लिए उस सर्वसमावेशकता को समझना होगा जो राम के व्यक्तित्व में थी। राम अपने पिता के जेष्ठ पुत्र थे।सिंहासन के लिए अपने भाइयों और पिता की हत्या की घटनाओं से संसार का इतिहास रक्तरंजित है। इस इतिहास में राम ऐसे अमृतपुत्र के रूप में उभरते हैं जो पिता द्वारा दिए वचन का पालन करने के लिए राज्याभिषेक से ठीक पहले राजपाट छोड़कर चौदह वर्ष के लिए वनवास स्वीकार कर लेता है। यह अनन्य है, अतुल्य है, यही राम हैं।

भाई के रूप में भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के लिए राघव अद्वितीय सिद्ध हुए। उनके भ्रातृप्रेम का अनूठा प्रसंग हनुमन्नाष्टक में वर्णित है। मेघनाद की शक्ति से मूर्च्छित हुए लक्ष्मण की चेतना लौटने पर हनुमान जी ने पूछा, 'हे लक्ष्मण, शक्ति के प्रहार से बहुत वेदना हुई होगी..!' लक्ष्मण बोले, नहीं महावीर, मुझे तो केवल घाव हुआ, वेदना तो भाई राम को हुई होगी..!'

यह वह समय था जब समाज में बहु पत्नी का चलन था। विशेषकर राज परिवारों में तो राजाओं की अनेक पत्नियाँ होना सामान्य बात थी। ऐसे समय में अवध का राजकुमार, भावी सम्राट 'एक पत्नी' व्रत का आजीवन पालन करे, यह विलक्षण है।

शूर्पनखा का प्रकरण हो या पार्वती जी द्वारा सीता मैया का वेश धारण कर उनकी परीक्षा लेने का प्रसंग, श्रीराम की महनीय शुद्धता 24 टंच सोने से भी आगे रही। सीता जी के रूप में पार्वती जी को देखते ही श्रीराम ने हाथ जोड़े और पूछा, माता आप अकेली वन में विचरण क्यों कर रही हैं और भोलेनाथ कहाँ हैं?

इसी तरह हनुमान जी के साथ स्वामी भाव न रखते हुए भ्रातृ भाव रखना, राम के चरित्र को उत्तुंग करता है- 'तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।' समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना राम के व्यक्तित्व से सीखा जा सकता है। उनकी सेना में वानर, रीछ, सभी सम्मिलित हैं। गिद्धराज जटायु हों, वनवासी माता शबरी हों, नाविक केवट हो, निषादराज गुह अथवा अपने शरीर से रेत झाड़कर सेतु बनाने में सहायता करनेवाली गिलहरी, सबको सम्यक दृष्टि से देखने वाला यह रामत्व केवल राम के पास ही हो सकता था। संदेश स्पष्ट है, जो तुम्हारे भीतर बसता है, वही सामने वाले के भीतर भी रमता है।...रमते कणे कणे...! कण कण में राम को राम ने देखा, राम ने जिया।

भारत के अनेक प्रदेशों में अभिवादन के लिए 'राम-राम' कहा जाता है। राजस्थान में 'राम राम-सा' का प्रयोग होता है। लोक के इस संबोधन में एक संदेश छिपा है। राम-सा केवल राम ही हो सकते हैं। सात्विकता से सुवासित जब कोई ऐसा सर्वगुणसम्पन्न हो कि उसकी तुलना किसी से न की जा सके, अपने जैसा एकमेव आप हो तो राम से श्रीराम होने की यात्रा पूरी हो जाती है। यही राम नाम का महत्व है, राम नाम की गाथा है और रामनाम का अविराम भी है।

राम राम रघुनंदन राम राम, राम-राम भरताग्रज राम राम।
राम-राम रणकर्कश राम राम, राम राम शरणम भव राम राम।।

पुस्तक समीक्षा

महुआ बाग : जटिल को आकार देती कथा फंतासी

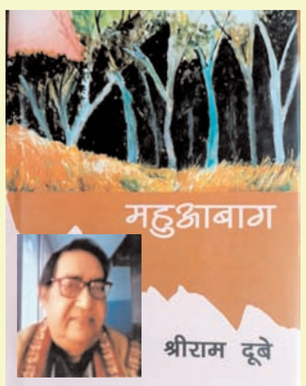

उपन्यास की कथा क्या है मानो एंटरटेन्मेंट का एक पूरा पैकेज है। 'महुआबाग' में वैसे तो कथाकार ने एक अंचल विशेष की कथा बुनने का प्रयास किया है और इसके लिए उसने उपयुक्त उपाय भी किए हैं।

श्रीनारायण समीर

सपने, उम्मीद तथा भागमभाग का जीवन ऊपर-ऊपर से चाहे जितना मस्त और स्वस्थ लगे, होता वह अंदर से खोखला है, दयनीय भी। अस्वस्थ और दयनीय जीवन वाले व्यक्तियों का समाज भी स्वस्थ नहीं होता, विसंगत और रोगी होता है। रोगी आदमी इलाज के अलावा दया का पात्र हो सकता है, किन्तु रोगी समाज नहीं। रोगी समाज को उपचार चाहिए और उसे वैद्य के रूप में किसी गोविंद, किसी गौतम और किसी महात्मा की दरकार होती है। सवाल है कि आज के मनुष्य का जीवन क्या आज के समाज जैसा ही नहीं हो गया है ? आधुनिक तरक्की और तकाजों से समाज में जटिलता आयी है, तो व्यक्ति का जीवन भी अब कहाँ सहज रहा ? विकास के संसाधन तथा सरंजाम ने आदमी के सपनों एवं उम्मीदों को ऐसे पंख लगा दिये हैं कि आज का आदमी अब चल नहीं, भाग रहा है और भागते आदमी को पैसे के सिवा कुछ नहीं सुहा रहा।स्वाभाविक है कि भागते-हाँफते आदमी के पास दो घड़ी रुककर सुकून का वक्त गुजारने और मन की बात सुनने की फुर्सत नहीं है। आदमी का काव्यमय जीवन आज भागता-हाँफता गद्य बन गया है।इस जटिल जीवन को उसके समूचेपन में चित्रित करने के चलते ही उपन्यास को आधुनिक जीवन का महाकाव्य कहा जाता है।

हिंदी में इधर उपन्यास खूब लिखे जा रहे हैं और उनमें एक-से-एक कथाएँ बुनी जा रही हैं। इन उपन्यासों में कथाकार जीवन के जटिल यथार्थ और भागमभाग को अभिव्यक्त करने के लिए एक-से-एक कथा वितान रच रहे हैं। 'महुआबाग' ऐसा ही उपन्यास है, जिसे बहुमुखी प्रतिभा के धनी कवि - कथाकार श्रीराम दूबे ने लिखा है। आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा से प्रकाशित 344 पृष्ठों के इस उपन्यास की कथावस्तु वैसे तो पूर्वी उत्तर प्रदेश के ग्राम्य जीवन पर आधारित है परंतु यथार्थ में यह आज के भारत के हर अंचल की कथा है। 'महुआबाग' के कथा विन्यास में उत्तर प्रदेश के बलिया का एक गाँव है सुजानीपुर। अच्छी जोत और बेटे-बेटियों के भरे-पूरे परिवार की मालकिन मिसराइन मइया हैं। उनका बीएचयू से गोल्ड मेडल के साथ इंजीनियरिंग पास बेटा रामा है। रामा की सुशील गँवई पत्नी पंचरतनी है। रामा अमेरिका में एक बड़ी कंपनी में नौकरी करने जाता है और वहां एक मेम से विवाह कर मइया और पत्नी पंचरतनी को भुला देता है। गाँव के लोग हैं। लोगों के दांव-पेच हैं। गाँव के किनारे महुआ के पेड़ों का विशाल बाग है, जिसमें एक जगह पांच बड़े-बड़े पेड़ों के बीच देवी मां का थान है। पास में एक शातिर अपराधी से साधु बने ग्रामप्रधान की कुटिया है। महुआबाग के कथित साधु से इलाके के अपराधियों के तार जुड़े हुए हैं। कुटिया में अपराधियों का जुटान होता रहता है। वहाँ जघन्य से जघन्य अपराध की योजना बनती और अंजाम को पहुँचती रहती है। मुहाने पर गंगा नदी प्रवाहित है, जिसे रात के अँधेरे में पार कर अपराधी बच निकलते हैं। समय के अंतराल में महुआबाग उजड़ जाता है। कुछ लोग अपनी अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए महुआ के पेड़ बेच देते हैं तो काफी पेड़ नेता, अफसर, ठेकेदार की मिलीभगत की भेंट चढ़ जाते हैं। बाग उजड़ता है तो बारिश नहीं होने से आसपास की धरती बंजर हो जाती है। इस बीच बेटे की राह देखते-देखते एक दिन मिसराइन मइया चल बसती है। मइया की अंतिम इच्छा के मुताबिक बहू पंचरतनी चिता को आग देकर घर लौटती है तभी अमेरिका से रामा भी आ जाता है। उधर रामा की अमेरिकी पत्नी उसे तलाक दे देती है और इधर गांव वालों के बीच बचाव से पंचरतनी रामा को माफ कर उसके साथ रहने लगती है।

उपन्यास की कथा क्या है मानो एंटरटेन्मेंट का एक पूरा पैकेज है। 'महुआबाग' में वैसे तो कथाकार ने एक अंचल विशेष की कथा बुनने का प्रयास किया है और इसके लिए उसने उपयुक्त उपाय भी किए हैं। अंचल की कथा और ग्राम्य छौंक वाली संवेदनशील भाषा के पैमाने से 'महुआबाग' निस्संदेह आंचलिक उपन्यास है फिर भी इसकी कथा, ग्राम्य कथा होकर भी आज के हिंदुस्तान की कथा है। उपन्यास का यथार्थ वही है, जो आज के भारत का यथार्थ है। उपन्यास की मुख्य कथा और गौण कथाएं मिलकर एक ऐसा कथा-कोलाज रचती हैं, जिसमें पूरा भारत प्रतिबिंबित है। इसलिए इसे भारतीय जन जीवन के जटिल यथार्थ की कथा फैंटेसी कहना उपयुक्त होगा।

बोध कथा

बूढ़ा आदमी, युवा पत्नी और चोर

सालों पहले एक गांव में सूरज नाम का किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। किसान बूढ़ा था, लेकिन उसकी पत्नी जवान थी। इसी वजह से किसान की पत्नी दुखी रहती थी। वो हमेशा अपने ही जैसे जवान पुरुष से शादी करने की चाहत मन में रखती थी। महिला के मन की बात को एक चोर समझ गया। वो रोज महिला का पीछा करने लगा। एक दिन उसने किसान की पत्नी को ठगने के विचार से उसे एक झूठी कहानी सुनाई। चोर ने कहा, सालों पहले मेरी पत्नी मुझे छोड़कर चली गई थी। अब मैं अकेला हूं। मैं तुम्हारी सुंदरता पर मोहित हो गया हूं और तुम्हें अपने साथ शहर ले जाना चाहता हूं।स्त्री यह सुनते ही खुश हो गई। वो फटाफट बोली, ठीक है मैं तुम्हारे साथ चलूंगी, लेकिन मेरे पति के पास बहुत धन है। पहले मैं उसे ले आती हूं। उन पैसों से हम जीवनभर आराम से रहेंगे। यह सुनकर चोर ने कहा कि ठीक है तुम जाओ और लौटकर इसी जगह आना मैं तुम्हारा इंतजार करूंगा।

स्त्री घर पहुंची, तो देखा कि पति गहरी नींद में था। महिला ने सारे जेवर और नकदी को पोटली में बांधा और चोर के पास चली गई। किसान की पत्नी को आते देखकर चोर के मन में हुआ, अब मैं बहुत जल्दी धनवान बनने वाला हूं। बस अब इस महिला से पीछा छुड़ाने की तरकीब निकालनी होगी। तभी किसान की पत्नी चोर के पास पहुंची। उसके पहुंचते ही दोनों दूसरे शहर की ओर निकल गए। कुछ दूर चलने के बाद रास्ते में एक नदी मिली। नदी को देखते ही चोर को एक तरकीब सूझ गई। वह महिला से बोला, देखो, नदी गहरी है। इसे मैं तुम्हें पार करवाऊंगा, लेकिन पहले मैं यह पोटली नदी के उस पार रखूंगा फिर तुम्हें साथ ले जाऊंगा।

स्त्री को चोर पर पूरा विश्वास था उसने कहा, हां, ऐसा करना ठीक रहेगा। फिर चोर ने कहा, देखो, तुमने भारी जेवर पहने हैं। ये जेवर भी तुम मुझे दे दो, ताकि तुम्हें नदी पार करने में कोई बाधा न हो। यह सुनते ही किसान की पत्नी ने अपने सारे जेवर चोर को दे दिए।

पोटली में बंधा धन और महिला के जेवर लेकर चोर नदी के पार चला गया। महिला उसके लौटने का इंतजार करती रही, लेकिन वो फिर कभी लौट कर नहीं आया। अब महिला को बहुत दुख हुआ और उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, लेकिन पछतावे के लिए तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसका सारा पैसा और जेवर लेकर चोर जा चुका था।

वीर गाथा

से. लेफ्टिनेंट गुरदीप सिंह सलारिया: वीरता की यह मिसाल भारतवासियों को देती रहेगी प्रेरणा

सेकंड लेफ्टिनेंट गुरदीप सिंह सलारिया का जन्म 28 फरवरी, 1973 को पंजाब के पठानकोट जिले के नारायणपुर गांव में हुआ था। माता तृप्ता देवी और पिता सागर सिंह सलारिया के वीर पुत्र गुरदीप ने वीरता की वह मिसाल कायम की, जो युगों-युगों तक भारतवासियों को प्रेरणा देती रहेगी। गुरदीप ने जुलाई 1990 में एनडीए का इम्तिहान पास किया था। इसके बाद उन्हें आईएमए, देहरादून भेज दिया गया। उन्हें पंजाब रेजिमेंट में नियुक्ति मिली।

जनवरी 1996 में सेकंड लेफ्टिनेंट गुरदीप अपनी यूनिट 23 पंजाब के साथ जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में तैनात थे। यहां नियमित आधार पर आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाए जा रहे थे। गुरदीप ने विभिन्न सैन्य अभियानों में भाग लिया और वीरतापूर्ण प्रदर्शन किया था।

दस जनवरी को सुरक्षा बलों को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि पुलवामा जिले के पंजगाम गांव में कुछ आतंकवादी छुपे हुए हैं। इस सूचना का विश्लेषण करने के बाद संबंधित इलाके में तलाशी और घेराबंदी अभियान चलाने का फैसला लिया गया।

गुरदीप के नेतृत्व में सुरक्षा बलों की टीम उस इलाके में पहुंच गई और ऑपरेशन शुरू कर दिया। योजना के अनुसार, जवानों ने आतंकवादियों को घेर लिया। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी दी गई, लेकिन उन्होंने जवानों की ओर गोलीबारी शुरू कर दी थी।

इसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की। इस दौरान गुरदीप आगे बढ़कर अपने साथी जवानों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। उनकी रणनीति असरदार साबित हुई और तीन खूंखार आतंकवादी ढेर हो गए।

हालांकि इस दौरान गुरदीप को भी कई गोलियां लगीं। सेकंड लेफ्टिनेंट गुरदीप सिंह सलारिया उक्त ऑपरेशन के दौरान वीरता, साहस और नेतृत्व का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अमर हो गए। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

तिरुचिरापल्ली में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो के दौरान स्वागत करते लोग।

जयशंकर ने युगांडा में श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे से की मुलाकात

कम्पाला/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की और द्विपक्षीय पहल की प्रगति पर चर्चा की। जयशंकर शुक्रवार से शुरू हुए गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के दो-दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए युगांडा की राजधानी कम्पाला में हैं।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, कम्पाला में एनएएम शिखर सम्मेलन के मौके पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात करके खुशी हुई। उन्होंने कहा, हमारी द्विपक्षीय पहलों की प्रगति के लिए उनके निरंतर मार्गदर्शन की (हम) सराहना करते हैं। भारत की प्रतिबद्धता हमारी 'पड़ोसी प्रथम' और 'सागर' नीति में परिलक्षित होती है। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' की नीति अपने निकटतम पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के प्रबंधन के प्रति इसके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती है। इसका उद्देश्य समूचे क्षेत्र में भौतिक, डिजिटल और परस्पर आवागमन को बढ़ाने के साथ-साथ व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाना है।

विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी के कारण श्रीलंका 2022 में एक विनाशकारी वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था, जो 1948 में ब्रिटेन से आजादी के बाद की सबसे खराब स्थिति थी।

जब देश संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की नीति के अनुरूप ऋण सुविधा और मुद्रा समर्थन के माध्यम से लगभग चार अरब अमेरिकी डॉलर की बहु-आयामी सहायता प्रदान की।

''क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास'' अर्थात 'सागर' हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग की भारत की नीति या सिद्धांत है।

इससे पहले दिन में, जयशंकर ने युगांडा के अपने समकक्ष जनरल जेजे ओडोंगो से मुलाकात की।

जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अपने प्रिय मित्र जनरल जेजे ओडोंगो के साथ दिन की शुरुआत करके खुशी हुई। एनएएम शिखर सम्मेलन में उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। युगांडा की अध्यक्षता के प्रति भारत के तहे दिल से समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, अप्रैल 2023 की मेरी यात्रा के बाद से हमारे द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति हुई है। सीधी उड़ानें, प्रशिक्षण और आदान-प्रदान तथा नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के परिसर की शुरुआत प्रमुख विकाय कार्यों में शुमार हैं।

प्रभात फेरी

पटना में शनिवार को राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रभात फेरी कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने भगवान राम, सीता और लक्ष्मण को तैयार किया गया।

अमेरिका : सैंकड़ों मंदिर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मानने की तैयारी में जुटे

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका में स्थित सैकड़ों की संख्या में मंदिर अगले सप्ताह अयोध्या के राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। हजारों की संख्या में भारतीय अमेरिकियों के इस सप्ताह से शुरू होने वाले कई कार्यक्रमों में भाग लेने की संभावना है।

अमेरिका के हिंदू विश्वविद्यालय के अध्यक्ष कल्याण विश्वनाथन ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, अयोध्या विनाश और उपेक्षा से पुन: उभर रही है, जो सनातन धर्म की शाश्वत प्रकृति का प्रतीक है। 550 वर्षों के बाद राम लला मंदिर में होने वाला प्राण प्रतिष्ठा समारोह शहर और दुनियाभर के लगभग एक अरब हिंदुओं के लिए खुशियां लेकर आ रहा है। अयोध्या मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होगा। टेक्सास में 'श्री सीता राम फाउंडेशन' के कपिल शर्मा ने कहा कि 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या धाम में भगवान राम के मंदिर का निर्माण दुनिया भर के हिंदुओं के लिए आस्था और उत्सव का एक महत्वपूर्ण दिन है। श्री सीता राम फाउंडेशन ने ह्यूस्टन में अपने मंदिर में श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया है।

राममय हुई अयोध्या, साइकिल से पहुंच रहे हैं लोग, जगह-जगह लगे पोस्टर

अयोध्या/भाषा

अयोध्या पूरी तरह से धार्मिक उत्साह में डूबी हुई है और हर ओर 'सीता राम' और 'जय हनुमान' के जयकारे सुनाई दे रहे हैं। लोग 'जय श्री राम' लिखे वस्त्र धारण किए दिखाई दे रहे हैं।

गुजरात के अहमदाबाद से साइकिल चलाकर 63 वर्षीय नेमाराम प्रजापति भगवान राम की भूमि यानी अयोध्या पहुंचे हैं।

प्रजापति ने कहा,''मैंने 1992 से जूते नहीं पहने हैं और मेरा संकल्प था कि मैं जूते तभी पहनूंगा जब अयोध्या में राम मंदिर बन जाएगा। मैं प्रभु राम के दर्शन के लिए अहमदाबाद से नंगे पैर साइकिल चलाकर अयोध्या पहुंचा हूं।

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से पहले पोस्टर लगाए गए हैं जिनपर शुभ घड़ी आई, तैयार है अयोध्या धाम, विराजेंगे श्री राम और राम फिर लौटेंगे जैसे नारे लिखे हैं।

नगर में राम मार्ग, सरयू नदी तट और लता मंगेशकर चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर पोस्टरों पर रामायण के विभिन्न श्लोक भी छापे गए हैं।

जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सभी प्रकार के पोस्टर और होर्डिंग निर्दिष्ट स्थानों पर लगाए गए हैं चाहे वह किसी न्यास, राजनीतिक संगठन या किसी व्यक्ति द्वारा लगाए गए हों।

प्रजापति की साइकिल के सामने एक बोर्ड पर लिखा है कि उनकी अहमदाबाद-अयोध्या यात्रा पिछले साल दो दिसंबर को शुरू हुई और वह इस दौरान राजस्थान के पवित्र स्थलों पर भी गए।

ओम भगत(47) जो अब खुद को 'बुद्ध अंकल' कहते हैं। वह भी अखिल भारतीय साइकिल यात्रा पर हैं और बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंचे।

भगत ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैंने 20,000 किलोमीटर की दूरी तय की है और अबतक तय किए गए राज्यों में उत्तर प्रदेश मेरा 16वां राज्य है। मुझे सभी 4,000 शहरों, 741 जिलों की यात्रा करनी है। मैं प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या में रहना चाहता था इसलिए मैंने इसके अनुसार अपनी यात्रा बनाई।

फिल्म 'रंग दे बसंती' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

एस आर के म्यूजिक प्रा. लि.प्रस्तुत खेसारीलाल यादव की फिल्म रंग दे बसंती का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म रंग दे बसंती के टीजर में खेसारी लाल यादव भगवा वस्त्र धारण कर रौद्र रूप में नजर आए हैं। फिल्म के टीजर में खेसारी लाल यादव अन्याय और सत्य से लड़ते नजर आ रहे हैं, जिसमें उनका रौद्र रूप देखने को मिल रहा है।इस फिल्म के निर्माता रौशन सिंह, सह निर्मात्री शर्मिला आर सिंह, निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं, जिन्होंने कहा कि यह तो फिल्म का टीजर है, अभी ट्रेलर और पूरी फिल्म आनी बाकी है।

उन्होंने कहा कि रंग दे बसंती भोजपुरी की ऐसी फिल्म है, जिसमें बॉलीवुड से भी कई कलाकारों ने काम किया है। उन्होंने कहा कि खेसारी लाल यादव के माध्यम से हमने टीज़र के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की है कि फिल्म सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्म के समावेश से मनोरंजन की एक नई कृति है, जो दर्शकों को एक विशेष अनुभूति कराएगी।

वही खेसारी लाल यादव ने कहा कि टीज़र जितना कमाल का है उससे कहीं अधिक फिल्म बवाल करने वाली है। जम्मू से लेकर आजमगढ़ तक हमने इस फिल्म की शूटिंग की है, मुझे पता है कि इस फिल्म की शूटिंग किस तरह से रियल लोकेशन पर की गई है। इसलिए मैं इस फिल्म के महत्व को समझता हूं और जब यह फिल्म आप देखेंगे तब आपको भी पता चलेगा कि यह फिल्म कितनी तन्मयता और संजीदगी से बनायी गयी है। इसलिए मैं चाहूंगा कि दर्शक फिल्म के टीजर, ट्रेलर और पूरी फिल्म को भी खूब सारा प्यार और आशीर्वाद दें,जिससे हम आने वाले भविष्य में भी इस तरह की और अच्छी फिल्में लेकर उनके सामने आ सके।

फिल्म रंग दे बसंती में खेसारीलाल यादव, रति पांडे ,डायना खान के साथ अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर ऋषभ यादव राज प्रेमी, मीर सरवर, अमित तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैश, ज्योति कलश, संजय महानंद, रीना रानी, श्रद्धा नवल, सुजान सिंह, सोनू पांडेय, रितु चौहान, रिंकू भारती, नेहा पाठक, खुशबू यादव, संजय वर्मा, अखिलेश कुमार अक्की, सूर्या द्विवेदी, निकिता भारद्वाज और चाहत प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है। संगीतकार ओम झा है। गीतकार प्यारेलाल यादव ,अरविंद तिवारी, राकेश निराला, डॉ कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं। डीओपी वासु, कोरियोग्राफर रिकी गुप्ता, कला राजीव शर्मा का है।

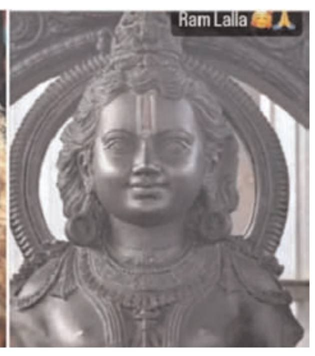

अभिनेत्री कंगना रनौत ने रामलला के मूर्तिकार अरुण योगीराज की जमकर की प्रशंसा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने रामलला के मूर्तिकार अरुण योगीराज की प्रशंसा की। कंगना ने सुंदर चेहरे वाली विशेषताओं के साथ मूर्ति को जीवंत बनाने की तारीफ करते हुए कहा कि वह काफी दबाव में रहे होंगे। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में कहा कि मूर्ति बिल्कुल वैसी ही दिखती है जैसी उन्होंने भगवान के चेहरे की कल्पना की थी।

22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले गुरुवार को राम लला की मूर्ति को 'जय श्री राम' के उद्घोष के साथ राम मंदिर के गर्भ गृह में रखा गया। राम लला की मूर्ति की एक तस्वीर साझा करते हुए, कंगना ने लिखा, मैंने हमेशा सोचा था कि भगवान राम एक युवा लड़के के रूप में ऐसे दिखते थे और मेरी कल्पनाएं आज इस मूर्ति के साथ जीवंत हो गईं, अरुण योगीराज आप धन्य हैं। उन्होंने कहा, कैसी सुंदर और मन को मोह लेने वाली ये प्रतिमा है। अरुण योगीराज जी पर कितना दबाव होगा और स्वयं परमेश्वर को ही पत्थर में थाम लेना क्या कहें ये भी राम की कृपा है। अरुण योगीराज जी श्री राम ने आपको स्वयं दर्शन दिए हैं, आप धन्य हैं। 'तेजस' अभिनेत्री 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में कई अन्य बॉलीवुड हस्तियों के साथ भाग लेती नजर आएंगी। अभिनय की बात करें तो वह अगली बार 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी, जिसमें वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

'बड़े मियां छोटे मियां' का नया पोस्टर रिलीज

मंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। 'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ अहम भूमिका निभा रही सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। इसमें अक्षय कुमार और टाइगर का दमदार अवतार देखने को मिल रहा है। हाथों में बंदूक लिए फाइटिंग के मूड में अक्षय और टाइगर दुश्मनों से लड़ाई के लिए एकदम तैयार दिख रहे हैं।

पोस्टर शेयर करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कैप्शन में लिखा, उनका एक्शन शब्दों से ज्यादा तेज बोलेगा। आप सभी व्यक्तियों के सामने एक्शन में प्रस्तुत है। बड़े मियां छोटे मियां को वासु भगनानी और जैकी भगनानी के प्रोडक्शन हाउस पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है।बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ शामिल हैं। बड़े मियां छोटे मियां ईद के मौके पर इस वर्ष रिलीज की जाएगी।

'अंगूरी' भाभी के एआई अवतार पर खुलकर बोलीं अभिनेत्री शुभांगी आत्रे

मुंबई/एजेन्सी

सिटकॉम 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी आत्रे ने अपने किरदार के एआई वर्जन को निभाने के बारे में खुलकर बात की और कहा कि कैसे वह हमेशा कुछ अलग करने की कोशिश करती हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'जब भी मुझे कुछ अलग करने का मौका मिलता है तो यह मेरे लिए सबसे अच्छा होता है कि मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर कुछ करूं और मुझे कई मौके मिले हैं। हाल ही में मैंने अंगूरी का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वर्जन निभाया है और एक अभिनेत्री के रूप में मैंने बहुत कुछ सीखा है।' शुभांगी सोचती हैं कि हर माध्यम अपने-अपने दर्शकों के समूह को पूरा कर रहा है, क्योंकि शहरी आबादी बहुत अधिक ओटीटी देखती है वही, ग्रामीणों का टीवी या फिल्मों में झुकाव रहता है। एक अभिनेत्री होने के नाते मेरे लिए माध्यम मायने नहीं रखते। मुझे बस अपना काम करना पसंद है यानी अभिनय करना। शुभांगी ने आगे कहा कि हास्य भूमिका निभाना चुनौतीपूर्ण है और वह इसका आनंद ले रही हैं। 'कस्तूरी' फेम अभिनेत्री ने कहा, सबसे पहले, अंगूरी एक खूबसूरत किरदार है और मुझे लगता है कि मैं कहूंगी कि उसके जैसे बहुत कम किरदार लिखे गए हैं, इसलिए यह एक कलाकार के लिए एक उपहार है। कॉमेडी को एक गंभीर व्यवसाय बताते हुए शुभांगी ने कहा, चाहे आपके जीवन में कुछ भी हो रहा हो, आपको लोगों को हंसाना है। लोगों को रुलाना बहुत आसान है। मैंने पारिवारिक नाटक या बहुत भावनात्मक दृश्य भी किए हैं। लेकिन अब मुझे एहसास हुआ कि लोगों को हंसाना आसान नहीं है।

फिल्म 'आंखें' के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली भोजपुरी फिल्म आंखें के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म आंखे में प्रदीप पांडेय चिंटू के साथ यामिनी सिंह मुख्य भूमिका में है। फिल्म आंखें का निर्माण संकट मोचन फिल्म इंटरनेशनल की तरफ से किया जा रहा है।फिल्म आंखें को लेकर प्रदीप पांडेय चिंटू ने कहा कि इसके एक शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो गयी है, जिसमें बेहद मजा आया। फिल्म पूरी तरह से कमर्शियल है और यह दर्शकों को अल्टीमेट मनोरंजन देगी। उन्होंने कहा कि फिल्म का निर्माण बड़े स्केल पर किया जा है। फिल्म की कहानी बेहतरीन है और इसकी मेकिंग भी शानदार तरीके से चल रही है। मुझे लगता है कि जल्द ही फिल्म की शूटिंग पूरी होगी और यह दर्शकों के सामने होगी।भोजपुरी इंडस्ट्री में आज कल बन रही फिल्मों ने सबों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है, यह हम सभी के लिए गौरव की बात है।

प्रदीप पांडेय चिंटू, यामिनी सिंह और आस्था सिंह स्टारर फिल्म आंखें गोविंदा और चंकी पांडे की सुपरहिट फिल्म आंखें में का भोजपुरी वर्जन है। इस फिल्म में आशीष सिंह बंटी, आस्था सिंह, रचना यादव, सुशील सिंह, संजय पांडे, श्रद्धा नवल, लोटा तिवारी, बबलू खान, नीलम पांडे, अंशु तिवारी, मिथिलेश, किशोर गुप्ता और अंकुश कहार जर आएंगे। फिल्म की कहानी वीरू ठाकुर की लिखी हुई है। इसका संगीत मधुकर आनंद ने दिया है।

फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और कृति सैनन की आने वाली फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शाहिद कपूर और कृति सैनन की जोड़ी जल्द ही रोमांटिक फिल्म में 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आयेगी।

इस फिल्म का निर्देशन अमित जोशी और अराधना शाह ने किया है।'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का ट्रेलर रिलीज हो गया है,जिसमें शाहिद और कृति के बीच बेहतरीन रोमांटिक केमिस्ट्री नजर आ रही है। ट्रेलर में कृति सैनन एक रोबोट का किरदार निभाती दिख रही हैं, जिससे शाहिद कपूर को प्यार हो जाता है। इसके बाद वह कृति सैनन से शादी करने की कोशिश में लग जाता है लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब उसे पता लगता है कि वह एक रोबोट है।ट्रेलर में धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया की झलक भी देखने को मिल रही है। दिनेश विजान निर्मित 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' 09 फरवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के मित्र मंडल अपनी 50 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर स्वर्ण जयंती समारोह एवं रामलला महोत्सव का आयोजन कल 22 जनवरी को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में करने जा रहा है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' हिन्दी दैनिक के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर शामिल होंगे।

नृत्य

गुवाहाटी में शनिवार को असम पुलिस के नवनियुक्त कमांडो की पासिंग आउट परेड में कलाकार पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए।

मित्र मंडल का स्वर्ण जयंती समारोह व रामलला महोत्सव कल

■ 'मित्र मंडल' ने पूरे किए 50 वर्ष ■ राम प्रतिष्ठा को ऐतिहासिक बनाने का किया आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मित्र मंडल अपनी 50 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर स्वर्ण जयंती समारोह एवं रामलला महोत्सव का आयोजन कल 22 जनवरी को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में करने जा रहा है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' हिन्दी दैनिक के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर शामिल होंगे। मंडल के अध्यक्ष रामेश्वरलाल पंचारिया ने बताया कि सोमवार को मध्याह्न 3.30 बजे से माहेश्वरी भवन में सुन्दरकांड का पाठ होगा जिसमें जसवंतगढ़ नागरिक परिषद के सदस्य प्रस्तुति देंगे। मंच कार्यक्रम शाम 6.30 बजे प्रारंभ होगा तथा भजन संध्या रात 7.15 से शुरू होगी जिसमें जाने माने गायक निरंजन सारड़ा व हरिकिशन सारड़ा भजनों की प्रस्तुति देंगे।

श्री राम प्रभु की अयोध्या में होने जा रहे प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में मित्र मंडल के गौरीशंकर सारड़ा का कहना है कि 500 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के बाद पुन: एक बार फिर भगवान श्रीराम एक विशालकाय राममंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। 22 जनवरी को भारत ही नहीं पूरा विश्व इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने को आतुर है और अपने अपने स्तर पर जगह जगह पर अनेक धार्मिक आयोजन कर रहे हैं।

इस ऐतिहासिक मौके पर लोगों को अपने अपने स्तर पर प्रभात फेरी, भजन कीर्तन, बड़ी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण, दीपमाला, रंगोली आदि कर प्रभु राम का स्वागत करना चाहिए। सारड़ा ने सभी व्यापारियों से आग्रह किया इस इस अवसर पर अपने अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखकर रामसेवा व राम भक्ति में जुट जाएं।

राम उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आचार्य गुरु परंपरा विद्यालय दासनपुरा में राम जन्मभूमि अयोध्या में होने वाले रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं भगवान श्री राम का कैलेंडर एवं अक्षत वितरण किए गए। मुख्य अतिथि के रुप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे जिन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम हमारे आदर्श हैं, हमें उनके आने पर उनका भावपूर्ण तरीके से स्वागत करता है और खुशियां मनाना है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रमुख रंगाचार्य उपस्थित थे।

मेरे जीवन का परम लक्ष्य पूरा हो रहा : परमानंद गिरि महाराज

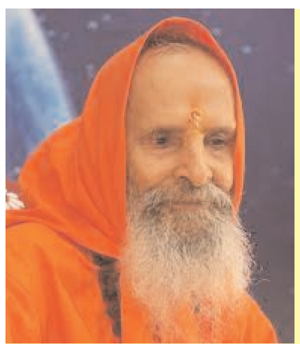

किसी भी न्याय प्रिय समाज के लिए चाहे वह किसी भी धर्म का हो, यह न्याय की जीत है। इसलिए यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का पहला चरण पूरा होने के करीब है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे 90 वर्षीय संत युगपुरुष परमानंद गिरि महाराज ने श्रीरामलला की मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर कहा कि उनके जीवन का परम लक्ष्य अंततः पूरा होने जा रहा है। परमानंद गिरि महाराज 1989 में 'शिलापूजन', 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस और इस मंदिर मस्जिद विवाद पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के साक्षी रहे हैं। उनके लिए 22 जनवरी को होने जा रहा 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह एक जीवनकाल के संघर्ष का आदर्श समापन है। उन्होंने हरिद्वार से 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में कैसे व्यक्त करूं। मैं राम मंदिर आंदोलन के पहले दिन से, शिला पूजन से संबंधित बैठकें आयोजित करने से लेकर आज तक जुड़ा हुआ हूं।''

अयोध्या में 22 जनवरी को आयोजित होने वाले 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में संतों और प्रमुख हस्तियों सहित हजारों लोग के शामिल होने की उम्मीद है। राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल रहे गिरि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य भी हैं। राम मंदिर के निर्माण और प्रबंधन का प्रभार इसी न्यास के पास है। उन्होंने कहा, ''मेरे जीवन का परम लक्ष्य आज पूरा हो रहा है। आज मैं 90 वर्ष का हूं और जब मैंने वैराग्य लिया था, उस समय मेरी आयु करीब 20 वर्ष थी।'' संत ने कहा कि भगवान राम का निवास क्षेत्र अंततः टाट से ठाठ में परिवर्तित हो रहा है। भक्तों, संगठनों और नेताओं की इसमें भूमिका रही है और इनमें से प्रत्येक का अपना महत्व है। उन्होंने कहा, ''मेरा भी यह मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व के बगैर यह उपलब्धि हासिल नहीं होती।''

उन्होंने कहा, '' अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का उल्लेखनीय समर्थन नहीं मिलता तो कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता। यदि इस समय केंद्र में मोदी और राज्य में योगी की सरकार नहीं होती तो कई कार्यों को करने में मुश्किलें आतीं। अब नगर निगम और बाकी लोग मंदिर निर्माण में सहयोग कर रहे हैं। ''ट्रिपल इंजन'' की सरकार के चलते कार्य में तेजी आई है।'' हरिद्वार स्थित संत ने यह भी कहा कि एक समय था कि विभिन्न संप्रदाय के संत एक जगह नहीं बैठते थे, लेकिन भगवान राम ने ऐसी स्थिति का निर्माण किया है जहां हम सभी एक साथ बैठने लगे हैं। यह भगवान की कृपा है जो हमें हर किसी के साथ जोड़ रहा है।

उन्होंने कहा, ''अयोध्या तेजी से बदल रहा है। सड़कें चौड़ी की जा रही हैं और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।'' प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भक्तों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा, ''यह दुनियाभर के हिंदुओं के लिए अहम है। किसी भी न्याय प्रिय समाज के लिए चाहे वह किसी भी धर्म का हो, यह न्याय की जीत है। इसलिए यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है।'' अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का पहला चरण पूरा होने के करीब है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे।

गंगानगर के राठौड़ भवन में कल होगा राम महोत्सव व राम अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गंगानगर स्थित श्रीराम महोत्सव मंडल के सदस्य 22 जनवरी को गंगानगर स्थित राठौड़ जैन भवन में राम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर सुबह 9.11 बजे हवन का आयोजन होगा तथा 9.25 बजे से क्षेत्र के प्रसन्न आंजनैया स्वामी मंदिर से नवकलश यात्रा का आयोजन किया गया है। सुबह 10.15 बजे राठौड़ भवन में भगवान श्रीराम दरबार की प्रतिमा का प्रवेश करवाया जाएगा तथा 11.15 बजे प्रभु श्रीराम का विशष अभिषेक किया जाएगा। अभिषेक में कावेरी नदी, रामेश्वरम तीर्थ के 22 पवित्र कुओं के जल से विशेष जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक किया जाएगा। 12.29 बजे रामदरबार की चल स्थापना की जाएगी। पंडित मनोज शास्त्री सभी विधि विधान करवाएंगे। इस मौके पर अनेक लाभार्थियों के सहयोग से रामप्रसादी, महोत्सव व अन्नदान का आयोजन किया जा रहा है।

जीवन में संतोष ही सबसे बड़ा सुख : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलूर। शहर के संभवनाथ जैन संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को संतोष रखना चाहिए। हमारे जीवन की चादर जितनी होती है उतने ही पांव पसारना चाहिए अर्थात हमें हमारी हैसियत से ही कार्य करना चाहिए। हमें जीवन में जो मिलता है उसमें संतोष करना सीखना चाहिए और अनावश्यक कर्ज के दबाव में नहीं आना चाहिए। जो व्यक्ति कम में गुजारा कर दूसरों का अहसान नहीं लेता वह व्यक्ति जीवन में सुखी और सम्पन्न रहता है। आचार्यश्री ने कहा कि हर व्यक्ति को हर परिस्थिति में समभाव में रहना चाहिए। अहसान भी उसी से लेना चाहिए जो अहसान न जताए।

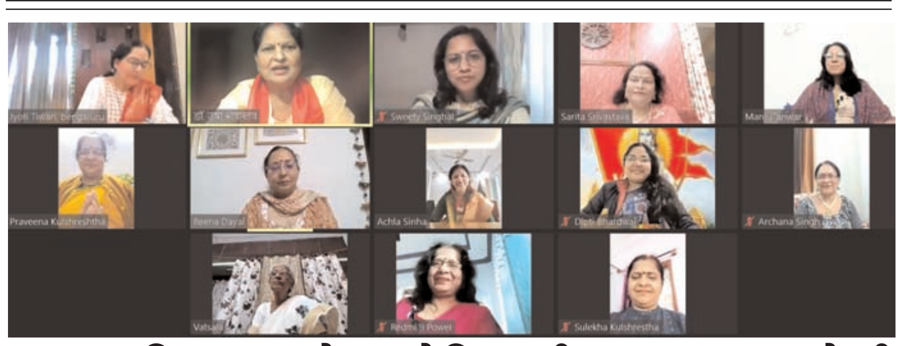

भाषा साहित्य मंच ने आयोजित की रामकथा पर गोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के भाषा साहित्य मंच की जनवरी माह की गोष्ठी श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर राम एवं रामकथा पर आधारित हुई जिसका संचालन ज्योति तिवारी एवं मंजु तंवर ने किया। संचालन के समय उन्होंने रामायण के प्रेरक दोहे और चोपाइयों से सबको भक्ति रस से सरोबर कर दिया। मंच की संस्थापिका अध्यक्ष डॉ उषा श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलन किया। गोष्ठी में डॉ वत्सला किरण, डॉ उषा श्रीवास्तव ने दक्षिण भारत की रामायण एवं रामायण से मिलने वाली शिक्षा की चर्चा की। डॉ.सीमा भाँति नीति, डॉ भूमिका श्रीवास्तव, सरिता श्रीवास्तव,मंजु तंवर, अचला प्रवीन, अर्चनासिंह रायज़ादा, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, सुलेखा कुलश्रेष्ठ, दीप्ती भारद्वाज, ज्योति तिवारी,भगवती सक्सेना ,स्वीटी सिंघल, सुषमा कुलश्रेष्ठ, रीना दयाल, पूर्णिमा श्रीनिवासन ने काव्य गोष्ठी में भाग लिया। ज्योति तिवारी ने धन्यवाद दिया। अंत में श्रीराम दरबार की आरती की गई।

हम धन्य हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के सपने को साकार होते देख रहे हैं : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह एक ऐसा क्षण होगा जो 500 साल के लंबे संघर्ष के बाद आया है जिसमें अनेक बलिदान दिए गए। यहां परेड ग्राउंड में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'रामराज्य शोभा यात्रा' को संबोधित करते हुए धामी ने कहा, ''यह ऐसा क्षण है जो 500 साल के संघर्ष के बाद आया है और इस संघर्ष में अनेक बलिदान दिए गए। हम धन्य हैं कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के सपने को साकार होते हुए देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हजारों संतों, रामभक्तों और सनातनियों के बलिदान के बाद हम इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे।'' मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी श्रेय दिया। धामी ने कहा कि भगवान श्रीराम का देवभूमि से विशेष संबंध है, क्योंकि जिस सरयू नदी के तट पर अयोध्या धाम स्थित है, उसका उद्गम उत्तराखंड में ही है।

उन्होंने कहा कि उनका पूरा मंत्रिमंडल प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अयोध्या स्थित राम मंदिर जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर्वतीय राज्य के श्रद्धालुओं की खातिर अयोध्या में मंदिर के पास उत्तराखंड सदन का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन एकड़ जमीन आवंटित की है। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई विशिष्ट अतिथियों, बड़ी संख्या में देशभर के साधु-संतों की उपस्थिति में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा।

एयर शो

हैदराबाद में शनिवार को बेगमपेट हवाई अड्डे पर विंग्स इंडिया 2024 अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और एयर शो की झलक।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि, 22 जनवरी ऐतिहासिक दिन: लहरी

अयोध्या (उप्र)/भाषा

रामानंद सागर के धारावाहिक रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता सुनील लहरी ने 22 जनवरी को होने जा रहे राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को ऐतिहासिक दिन और इसे भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

दिग्गज अभिनेता ने कहा कि जब वह तीन दशक पहले पहली बार अयोध्या गए थे, तो उन्होंने एक तंबू में भगवान राम की मूर्ति देखी थी और उन्हें बहुत बुरा लगा था।

लाहरी ने कहा, मैंने खुद से कहा, इस जगह को देखो, यहीं भगवान राम का जन्म हुआ था और अब उन्हें ऐसी जगह पर रखा गया है। यह बहुत दयनीय है। मुझे लगता है कि समय के साथ न्याय सही दिशा में हुआ है।

प्राण प्रतिष्ठा के बारे में लहरी ने कहा ''मैं इसे सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखता हूं जिसके लिए हम भारतीय पिछले 500 साल से संघर्ष कर रहे थे। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया।

'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में उन्होंने रामायण धारावाहिक को लेकर अपना स्मरण साझा करते हुए कहा कि शुरुआत में उनका चयन भगवान राम के सबसे छोटे भाई शत्रुघ्न की भूमिका निभाने के लिए हुआ था, लेकिन वह इसे करने के इच्छुक नहीं थे और उन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए हाथ पीछे खींच लिया। हालांकि भाग्य को कुछ और मंजूर था और उन्हें लक्ष्मण की भूमिका मिली।

लहरी ने कहा कि उन्होंने रामायण में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण का किरदार निभाया। यह किरदार ईमानदारी, समर्पण, सादगी और सही पक्ष के साथ खड़े होने को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा ''लक्ष्मण एक ऐसा किरदार है जो किसी भी गलत चीज़ का समर्थन नहीं करता।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन वृंदावन में बांकेबिहारी को भगवान राम के स्वरूप में सजाया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन सोमवार को वृन्दावन में ठा. बांकेबिहारी का श्रृंगार भगवान राम के स्वरूप में किया जाएगा। यह जानकारी ठा. बांकेबिहारी के सेवायत गोपी गोस्वामी ने दी है। उन्होंने बताया कि ठाकुर बांकेबिहारी इस दिन प्रभु श्रीराम के स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। उन्होंने बताया कि इस दिन ठा. बांकेबिहारी का स्वर्ण-रजत श्रृंगार कर उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के स्वरूप में सजाया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पूर्व मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सदस्य भी परिसर स्थित भगवान केशवदेव के विग्रह का भगवान श्रीराम के रूप में श्रृंगार करने के संबंध में निर्णय ले चुके हैं।

इस बारे में संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया था कि उस दिन भागवत भवन में विराजित श्रीकृष्ण एवं राधारानी की युगल प्रतिमा को भगवान राम एवं माता सीता के स्वरूप में सजाया जाएगा, जबकि अब तक ऐसा केवल रामनवमी के दिन ही किया जाता रहा है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com